घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 23, अंक - 26- रविवार 29- नवम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

राहुल गांधी का सरकार पर हमला...बोले-वोट चोरी छिपाने के लिए ला रहे परिसीमन बिल,850 लोकतंत्र खत्म करने का नंबर

नई दिल्ली,28 नवम्बर 2026। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने परिसीमन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने 850 के आंकड़े को भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए कहा कि सरकार लोकसभा की सीटें बढ़ाने के नाम पर चुनावी व्यवस्था को अपने हिसाब से बदलना चाहती है। राहुल ने आरोप लगाया कि चुनाव में कथित वोट चोरी के आरोपों से बचने और सत्ता बनाए रखने के लिए यह नया रास्ता तैयार किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे 850 के इस आंकड़े को याद रखें। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभी लोकसभा में 543 सीटें हैं,लेकिन सरकार इन्हें बढ़ाकर 850 करना चाहती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब महिला आरक्षण विधेयक पहले ही पारित हो चुका है और इसे लागू किया जा सकता है,तो फिर सीटों की संख्या 850 करने की जरूरत क्यों है? राहुल के मुताबिक,महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का मकसद देश का चुनावी नक्शा नए सिरे से तैयार करना है। उन्होंने दावा किया कि इससे भाजपा को अपने राजनीतिक फायदे के हिसाब से निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं बदलने का मौका मिलेगा।

राहुल ने 850 को लोकतंत्र की हत्या का नंबर क्यों बताया?

राहुल गांधी ने युवाओं को संबोधित करते हुए 850 के आंकड़े को भारतीय लोकतंत्र की हत्या से जुड़ा नंबर बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को देश का चुनावी नक्शा अपनी पसंद से बदलने का मौका मिल सकता है। राहुल ने कहा कि इससे भाजपा उन समुदायों का प्रतिनिधित्व कमजोर कर सकती है, जो उसका विरोध करते हैं। साथ ही,विपक्ष के कुछ खास नेताओं को निशाना बनाने का रास्ता भी खुल सकता है।

परिसीमन आयोग की संरचना पर राहुल ने आरोप लगाए?

राहुल ने कहा कि प्रस्तावित परिसीमन आयोग में ज्ञानेश कुमार सदस्य होंगे। उनके आरोप के मुताबिक,आयोग में एक पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज का चयन प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह करेंगे,जबकि तीसरे सदस्य को चुनने की जिम्मेदारी ज्ञानेश कुमार की होगी। राहुल ने दावा किया कि इस व्यवस्था से आयोग पर सरकार का पूरा नियंत्रण हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञानेश कुमार के फैसलों को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। राहुल ने चुनाव आयोग पर भी सरकार के प्रभाव में काम करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने दावा किया कि चुनाव आयोग के अनुसार,2024 में 14 करोड़ ऐसे लोगों ने मतदान किया, जो वोट देने के पात्र नहीं थे। उन्होंने इसे चुनाव की वैधता पर सवाल उठाने वाला मुद्दा बताया। राहुल ने जम्मू-कश्मीर में सीटों के पुनर्गठन, बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने,असम में चुनावी ढांचे में बदलाव और पश्चिम बंगाल में 100 से अधिक सीटें चोरी होने का आरोप लगाया।



मल्लिकार्जुन खरगे के घर इंडिया गठबंधन की बैठक, संसद में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को लेकर चर्चा की

खरगे बोले...चुनाव आयोग को परिसीमन का जिम्मा मिलना अस्वीकार्य,सरकार सीट बढ़ाकर सत्ता चाहती है

नई दिल्ली,28 नवम्बर 2026। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर इंडिया गठबंधन की बैठक हुई। इसमें संसद में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को लेकर चर्चा की। साथ ही सरकार के संभावित कदम के खिलाफ साझा रणनीति तैयार की। बैठक शनिवार सुबह 11:30 बजे नई दिल्ली स्थित खरगे के 10, राजाजी मार्ग आवास पर हुई। इसमें विपक्षी दलों के इंडिया गुट के सभी घटक दलों के फ्लोर लीडर्स शामिल हुए। इसके अलावा गठबंधन से बाहर के विपक्षी दलों डीएमके,आम आदमी पार्टी (आप),बीजू जनता दल (बीजद) और शरद गुट से कोई नेता भी शामिल नहीं हुआ। बैठक के बाद से मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि आज इंडिया अलायंस के सभी नेताओं ने मिलकर तय किया है कि जो मोदी सरकार की तरफ से जो संविधान संशोधन विधेयक लाया जा रहा है, वह लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा है। यह लोकतंत्र को खत्म कर के पूरी सत्ता अपने हाथ में लेने के लिए इन्होंने आज 800 पार का नारा दिया है। 400 पार का नारा तो खत्म हो गया। अब 850 से ज्यादा सीटें कर के सत्ता अपने पास लेना चाहते हैं। कांग्रेस



खरगे ने सरकार पर आरोप लगाया

ये अनुसूचित जाति और जनजातियों का ध्यान नहीं है, उनके साथ नाइंसाफी है। मैं आपको पढ़कर इसके नुकसान बताऊंगा। 2026 की जनगणना आने वाली है। अगर इसका डेटा आ जाता है और उससे एससी-एसटी को अपना शेयर नहीं मिलता। अभी के हिसाब से जो शेयर उन्हें मिल जाए उस पर बात चल रही है। वही चुनाव आयोग जिसने करोड़ों लोगों को मतदाता सूची से हटाया है,उसे परिसीमन की जिम्मेदारी मिल रही है,यह हमें स्वीकार नहीं है।

30 नवंबर से संसद का विशेष सत्र

सरकार ने 30 नवंबर से संसद का विशेष सत्र बुलाया है। इस दौरान जरूरी सरकारी कामकाज के साथ महिला आरक्षण को जल्द लागू करने के लिए परिसीमन से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक दोबारा पेश किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

ज्ञानेश कुमार पर साधा निशाना

ज्ञानेश कुमार के रहते गोलमाल हो सकता है। जिसे चाहें जनरल बनाएंगे, जिसे चाहे रिजर्व बनाएंगे। ये परिसीमन में कुछ भी कर सकते हैं। हम चाहते हैं कि जो 10 करोड़ वोटर सूची से छूट चुके हैं और वे निष्पक्षता से आरक्षण लागू करने के लिए ज्ञानेश तैयार नहीं हैं। तो आपके साथ कुछ दिक्कतें हैं। पूरा सत्ता अपने हाथ में लेने के लिए वे मजबूती से काम कर रहे हैं।

अध्यक्ष ने दावा किया कि भारत चीन जैसा बन जाएगा, जहां बहुमत हासिल करने के लिए हजारों लोग एक साथ हाथ उठाते हैं। उन्होंने दावा किया,'वे लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं और सरकार को हमेशा के लिए भाजपा/आरएसएस के हाथों में सौंपना चाहते हैं। मनुस्मृति लागू की जाएगी,यह तय है।'खरगे ने यह भी कहा कि इससे पहले भी भाजपा ने इस बिल को पास कराने की कोशिश की थी,लेकिन विपक्ष की एकजुट कोशिशों के कारण वे नाकाम रहे।

उत्तराखंड में 300 मीटर गहरी खाई में गिरी कार...चालक समेत 8 की मौत

कोटद्वार,28 नवम्बर 2026। उत्तराखंड में पौड़ी गढ़वाल जिले के रिखणीखाल ब्लॉक के अंतर्गत रिखणीखाल-सतपुली मार्ग पर भंगल्वाण गांव के पास शनिवार को एक इको वैन अनियंत्रित होकर करीब 300 फुट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में वाहन चालक समेत आठ लोगों की मौत हो गई। चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही राजस्व पुलिस, थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम के साथ ही एसडीएम लैंसडौन शालिनी मौर्य मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। हादसे का शिकार हुई सभी महिलाएं भंगलवाण की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। जो सिद्धखाल में समूह की मीटिंग और अन्य काम निपटाकर इको वैन से गांव लौट रही थी। इस बीच हादसा हो गया। पुलिस के अनुसार,शनिवार को थाना रिखणीखाल को सूचना मिली कि रिखणीखाल से करीब 25 किलोमीटर आगे रिखणीखाल-सतपुली मोटर मार्ग पर कलवाड़ी गांव के समीप एक इको वैन अनियंत्रित होकर सड़क से लगभग 300 फुट नीचे खाई में गिर गई है। पुलिस के अनुसार वाहन में चालक समेत कुल 13 लोग सवार थे। सूचना मिलते ही रिखणीखाल पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। लैंसडौन की एसडीएम शालिनी मौर्य और एएसपी मनोज ठाकुर भी घटनास्थल पर पहुंचे।



पौड़ी गढ़वाल हादसे पर प्रधानमंत्री ने जताया दुख मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की सहायता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में हुए हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री का संदेश साझा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पौड़ी गढ़वाल जिले में हादसे में लोगों की जान जाने की खबर से वह बेहद दुखी हैं। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

महिला आरक्षण के रास्ते की हर बाधा दूर करेंगे,हमारा हौसला बुलंद और इरादा अडिग : पीएम मोदी

नई दिल्ली,28 नवम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला आरक्षण को संसद और विधानसभाओं में लागू करने के प्रति सरकार का दृढ़ संकल्प दोहराते हुए शनिवार को कहा कि नारी शक्ति को उनका अधिकार और उचित भागीदारी दिलाने के रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का विरोध करने वाली पार्टियां देश की महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने से कभी नहीं रोक पाएंगी, अब केवल समय का इंतजार है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो संदेश में कहा कि महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी दिलाने की लड़ाई कई दशकों से चल रही है और वह स्वयं भी वर्षों से इसके लिए प्रयास करने वालों में शामिल रहे हैं। देश की अनेक महिलाएं उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर और पत्र लिखकर महिला आरक्षण का मुद्दा उठाती रही हैं। उन्होंने कहा,'मैं जानता हूं कि देश की 100 प्रतिशत नारी शक्ति का आशीर्वाद हमारे साथ है। मैं देश की हर नारी को विश्वास दिलाता हूं कि हम महिला आरक्षण के रास्ते में आने वाली हर रुकावट को खत्म करके रहेंगे, हटाकर रहेंगे। हमारा हौसला भी बुलंद है, हमारी हिम्मत भी अटूट है और हमारा इरादा भी अडिग है।'मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण का विरोध करने वाली पार्टियां देश की नारी शक्ति को संसद और विधानसभाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने से कभी नहीं रोक पाएंगी। उन्होंने कहा कि अब केवल वक्त का इंतजार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का विषय लंबे समय से चर्चा और प्रयासों का हिस्सा रहा है। इस दिशा में महिलाओं ने लगातार अपनी आवाज उठाई है और उनसे मिलकर तथा पत्रों के माध्यम से अपनी अपेक्षाएं रखी हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि महिला आरक्षण को लेकर देश की महिलाओं का समर्थन सरकार के साथ है।



महिला आरक्षण का विरोध छोड़ कांग्रेस परिसीमन विधेयक का समर्थन करे : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली,28 नवम्बर 2026। केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने परिसीमन विधेयक को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस से राजनीति छोड़ विधेयक का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी लोकतंत्र में विश्वास नहीं किया। सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत सभी दलों से विधेयक पारित कराने में सहयोग मांग रही है। रिजिजू ने शनिवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी राज्यों के हितों और चिंताओं को ध्यान में रखते हुए लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ सांसदों और विधायकों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने सवाल किया कि महिला सशक्तीकरण और जनप्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाने के इस प्रयास पर कांग्रेस को आपत्ति क्यों है। उन्होंने कांग्रेस से अपनी पुरानी सोच छोड़कर संसद में विधेयक का समर्थन करने की अपील की। रिजिजू ने कहा कि यह विधेयक महिलाओं, एससी-एसटी समुदाय और सभी राज्यों के हितों को ध्यान में रखता है। इसका विरोध करने वालों को देश की महिलाएं और जनता माफ नहीं करेगी।

दीपथून पर जला कार्तिगई दीपम...30 किलो घी, 50 मीटर सूती बाती और 5 किलो कपूर से रोशन हुई पहाड़ी, उमड़े श्रद्धालु

मदुरै,28 नवम्बर 2026। तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर शनिवार को ऐतिहासिक कार्तिगई दीपम जलाया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पहाड़ी पर बने पत्थर के स्तंभ दीपथून पर शाम पांच बजे पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस दौरान हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान तैनात थे। दीप जलते ही श्रद्धालुओं ने भगवान मुरुगन के जयकारे लगाए। कई भक्त भावुक हो गए। कुछ ने फूल बरसाए तो कुछ ने अपने अंगवस्त्रम लहराकर खुशी जाहिर की।

तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर 150 साल बाद जला कार्तिगई दीपम



50 मीटर लंबी बाती,30 किलो घी और पांच किलो कपूर का इस्तेमाल

दीप जलाने के लिए मिट्टी के एक बड़े पात्र में करीब 50 मीटर लंबी रुई की बाती रखी गई थी। इसे 30 किलो घी में भिगोया गया था। इसके साथ पांच किलो कपूर का इस्तेमाल किया गया। शाम पांच बजे निर्धारित समय पर दीप प्रज्ज्वलित हुआ। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त किए गए हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश भी मौजूद रहे। वे दीप जलाने के स्थान के पास बनाए गए मंच पर खड़े थे। दीप जलने के बाद श्रद्धालुओं ने शंख बजाकर और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ उत्सव मनाया। स्थानीय लोगों ने आतिशबाजी भी की। तमिलनाडु में कार्तिगई दीपम के अवसर पर पटाखे जलाने की परंपरा है। यह त्योहार दीपावली के कुछ दिन बाद मनाया जाता है।

कार्तिगई दीपम पर गृह मंत्री शाह ने जताई खुशी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कार्तिगई दीपम के अवसर पर भगवान मुरुगन से सभी के सुख,स्वास्थ्य,कल्याण और समृद्धि की कामना की। उन्होंने तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी के दीपाथून पर दीप प्रज्वलित किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर संदेश साझा किया। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'वेत्रिवेल मुरुगनुक्कु अरोहारा! भगवान मुरुगन अपने विजयशाली भाले से बुरी शक्तियों का नाश करते हैं और कार्तिगई दीपम का प्रकाश सभी अंधकार को दूर करता है। भगवान मुरुगन सभी को आनंद, कल्याण और समृद्धि का आशीर्वाद दें।'

1862 और 1912 में भी नहीं जल पाया था दीप

इस स्थान पर दीप जलाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इससे पहले 1862 और 1912 में भी यहां दीप जलाने के प्रयास हुए थे, लेकिन वे सफल नहीं हो सके थे। हालांकि,19वीं सदी के मध्य से पहले इस स्थान पर दीप जलाने के प्रयास हुए थे या नहीं,इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है। इस मांग को लेकर 1990 के दशक की शुरुआत में हिंदू मुन्नानी संगठन ने लोगों को एकजुट करना शुरू किया। इसके बाद इस मुद्दे पर आंदोलन और कानूनी लड़ाई चली। करीब चार दशक तक चले संघर्ष के बाद शनिवार को दीपथून पर दीप जलाया गया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुई पूजा

दीप जलाने को लेकर विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु सरकार को अवमानना का नोटिस जारी किया था। शीर्ष अदालत ने अपने पहले के निर्देशों का जानबूझकर और खुले तौर पर उल्लंघन किए जाने पर नाराजगी जताई थी। साथ ही शनिवार को पहाड़ी पर स्थित दीपथून पर पारंपरिक दीप जलाने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत ने अरुलमिगु सुब्रमण्यस्वामी मंदिर के ट्रस्टियों के बोर्ड को भी निलंबित कर दिया था। पहाड़ी और मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआरपीएफ को सौंप दी थी। शीर्ष अदालत ने यह कदम राज्य पुलिस की ओर से उसके आदेशों को लागू करने में विफल रहने का हवाला देते हुए उठाया था। इससे पहले 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने एक बार के उपाय के तौर पर दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी थी। हालांकि, 24 नवंबर को दीप केवल मंदिर के पारंपरिक स्थान उचिपिल्लयार मंडपम में जलाया गया। दीपथून पर दीप नहीं जलाया गया था।

पहाड़ी पर मंदिर के साथ दरगाह और मस्जिद भी

थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी तमिलनाडु के प्रमुख हिंदू तीर्थस्थलों में शामिल है। यहां भगवान मुरुगन को समर्पित अरुलमिगु सुब्रमण्यस्वामी मंदिर स्थित है। पहाड़ी की चोटी के पास हजरत सुल्तान सिकंदर बादुशा औलिया की दरगाह और एक मस्जिद भी है।

काशी तमिल संगमम 5.0 का नमोघाट पर भव्य आगाज...

2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को कोई नहीं रोक सकता : उपराष्ट्रपति

मदुरै,28 नवम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में काशी और तमिलनाडु के सदियों पुराने सांस्कृतिक,आध्यात्मिक और सभ्यतागत रिश्तों को नई ऊंचाई देने के लिए शनिवार को काशी तमिल संगमम 5.0 का नमोघाट पर आगाज हुआ। 12 दिसम्बर तक चलने वाले 15 दिवसीय संगमम का उद्घाटन उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित और बटन दबाकर किया।

समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2047 के विकसित भारत के हमारे लक्ष्य को रोकने की शक्ति किसी देश में नहीं है। अर्थव्यवस्था के साथ हमें अपनी परंपराओं के साथ आगे बढ़ना होगा। केवल विकसित होना हमारा लक्ष्य नहीं,विकसित तो हम होंगे ही लेकिन अपनी संस्कृति, सभ्यता को अपनाते हुए। इस साल काशी तमिल संगमम में चौदह सौ लोग भाग लेंगे ये हमें बहुत संतुष्टि देता है। आप काशी विश्वनाथ से प्रार्थना करते हुए तमिलनाडु को राष्ट्रीयता की तरफ लेकर जाइये। सभी के लिए अपनी मां,मातृभाषा, धर्म उनके रूह के निकट है इसलिए हम सभी भाषा,संस्कृति, धर्म को स्नेह की भाषा से देखते हैं। हम सभी के चिंतन एक हैं। हिंदू ग्रंथ पढ़ें उपराष्ट्रपति ने कहा कि तमिलनाडु में सभी के मन में काशी को लेकर अलग स्थान है, काशी यात्रा तथा बाबा विश्वनाथ जी का दर्शन करना है।

तमिलनाडु से यहां बुनकर शताब्दियों पहले आए थे तथा यहां से निर्यात को भी बढ़ावा दिया था। तमिल महाकवि सुब्रमण्यम भारती ने अपने जीवन के अधिकतम काल इसी काशी में व्यतीत किए थे।



संपादकीय

एआई दिखाएगा कारोबार को नई राह

जब किसी उद्यमी को पहले बिल का भुगतान मिलता है तो उसे भरोसा होता है कि उसके विचार को ग्राहक मिल गया है। जब उसकी कंपनी किसी कर्मचारी को पहला वेतन देती है तो यह एक और परिवार की रोजी-रोटी से जुड़ जाती है। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की प्रगति लोगों की आजीविका का सहारा बननी चाहिए। कुछ समय पहले इंडिया एआई मिशन ने तीन एआई स्वदेशी माडल जारी किए। इन स्वदेशी एआई माडलों का आर्थिक लाभ उन कारोबारों से बढ़ेगा,जो इनके सहारे खड़े होंगे। इसके लिए कारोबार शुरू करने की लागत घटानी होगी,नए ग्राहकों तक पहुंच बनानी होगी और कंपनियों को बार-बार काम मिलना जरूरी होगा। देश में विकसित एआई से नया कारोबार शुरू करना सस्ता होना चाहिए। तैयार माडल को अपनी जरूरत के हिसाब से ढालने वाला उद्यमी अपनी सीमित पूंजी का ज्यादा हिस्सा ग्राहक की समस्या सुलझाने में लगा सकता है। इससे किसी पेशे या स्थानीय बाजार की समझ रखने वाले लोगों के लिए अपने अनुभव को कारोबार में बदलना आसान होगा। मान लीजिए जयपुर की एक अकाउंटेंट जानती है कि छोटे दुकानदारों को हिसाब-किताब रखने में क्या परेशानियां आती हैं। वह साफ्टवेयर डेवलपर के साथ ऐसी सेवा बना सकती है, जो बिल व्यवस्थित करे,हिसाब हिंदी में समझाए और संभावित गड़बड़ियों की जांच के लिए संकेत दे। उसका ज्ञान और ग्राहकों का भरोसा उसकी ताकत होंगे। साफ्टवेयर सही काम करे,रिकार्ड सुरक्षित रहें और ग्राहक भुगतान के लिए तैयार हों, यह भी जरूरी है। इसके लिए छोटे कारोबारियों को इस्तेमाल की साफ शर्तें,पहले से तय शुल्क और तकनीकी मदद मिलनी चाहिए। सरकारी योजनाएं उन्हें ग्राहकों की समस्याओं पर अपने उत्पाद परखने में सहायता दें। कारोबारी जरूरत पड़ने पर अपना डाटा वापस ले सकें और सेवा देने वाली कंपनी बदल सकें। ऐसे कारोबार देश के एआई शोध को भी दिशा दे सकते हैं। ग्राहक की भाषा या कामकाज के तौर-तरीकों को समझने में माडल कहां चूकता है,यह उद्यमी बेहतर बता सकेंगे। उपयोगी सेवाओं से कमाई बढ़ेगी तो बेहतर माडल बनाने में निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे। इस तरह शोध और कारोबार एक-दूसरे को आगे बढ़ाएंगे। एआई की मदद से विशेषज्ञों की सेवाएं छोटे ग्राहकों की पहुंच में आ सकती हैं। कभी-कभार माल विदेश भेजने वाले छोटे निर्यातक को कागजी काम के लिए टीम रखना महंगा पड़ता है। कोई उद्यमी एआई से दस्तावेज तैयार कराकर विशेषज्ञ से उनकी जांच करा सकता है। कई निर्यातकों को यही सेवा देने से विशेषज्ञ का खर्च बंट जाएगा और ग्राहकों को कम कीमत पर मदद मिलेगी। इससे सेवा की कीमत घटाने और मुनाफा बढ़ाने की गुंजाइश बनेगी। ग्राहक बढ़ेंगे तो कारोबार में निवेश और लोगों को काम देने की जरूरत भी बढ़ सकती है। 2025 में क्वार्टरली जर्नल आफ इकोनमिक्स में प्रकाशित एक अध्ययन इसका उदाहरण देता है। एक साफ्टवेयर कंपनी के ग्राहकों की मदद करने वाले 5,172 कर्मियों पर हुए अध्ययन में एआई की मदद से प्रति घंटे सुलझाई गई समस्याओं की संख्या औसतन 15 प्रतिशत बढ़ी। इससे समझ आता है कि एआई कम समय में अधिक ग्राहकों की मदद कैसे कर सकता है। स्थानीय भाषाओं में ग्राहक सहायता और औद्योगिक इलाकों की खास जरूरतें कारोबार के अवसर खोलती हैं। रोजगार में कितनी बढ़ोतरी होगी,यह इस पर निर्भर करेगा कि लागत घटने से मांग कितनी बढ़ती है और कारोबार कितना फैलता है?

कारोबार टिकाऊ बने,इसके लिए ग्राहकों से दोबारा काम मिलना चाहिए। नई कंपनियों की मुश्किल यह है कि अपनी क्षमता दिखाने के लिए उन्हें काम चाहिए,लेकिन खरीदार पहले काम का अनुभव मांगता है। खुली प्रतिस्पर्धा से चुनी गई कंपनियों को छोटे काम देकर उनकी क्षमता परखी जा सकती है। सरकारी खरीद के आनलाइन मंच जेम की स्टार्टअप रनवे सुविधा नए विचारों वाली कंपनियों को सरकारी खरीदारों तक पहुंच देती है। विभाग इसके जरिए तय कामों के लिए परीक्षण करा सकते हैं। बजट,भुगतान की तारीख और काम की गुणवत्ता के पैमाने पहले से स्पष्ट हों। सफल कंपनियों को बड़े ठेकों की प्रतिस्पर्धा में उतरने का अवसर मिले और भुगतान समय पर हो। परीक्षण में काम की सटीकता और कुल खर्च देखा जाए। बचत जोड़ते समय व्यवस्था शुरू करने,एआई चलाने,रखरखाव और नतीजों की जांच करने वाले कर्मियों का खर्च भी गिना जाए।

मौजूदा कामकाज से तुलना करके समय और पैसे की बचत अलग-अलग मापी जाए। सरकारी और निजी ग्राहकों से दोबारा काम मिलना किसी प्रदर्शन या पुरस्कार से अधिक भरोसेमंद कसौटी है। शोध के लिए अनुदान,ग्राहक जोड़ने और विस्तार के लिए हिस्सेदारी के बदले निवेश तथा पक्के आर्डर पूरे करने के लिए कर्ज उपयोगी होंगे। इंडिया एआई मिशन की स्टार्टअप वित्तीय सहायता में इन जरूरतों का ध्यान रखा जाए। ठेका पा चुके उद्यमी को वेतन और एआई चलाने का खर्च उठाना है, जबकि नया प्रयोग कर रहे उद्यमी को सीखने और जोखिम लेने की गुंजाइश चाहिए। भारत को एआई का पूरा लाभ तब मिलेगा,जब लोग अपने हुनर से ऐसे कारोबार खड़े करें,जो ग्राहकों का भरोसा जीतें और रोजगार बनाए रखें।

नशे में युवा पीढ़ी और तमाशबीन समाज



डॉ.प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

वायरल वीडियो ने रिश्तों की सच्चाई,युवाओं की बदलती जीवन शैली,अभिभावकों की जिम्मेदारी और सोशल मीडिया की गिरती संवेदनशीलता पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। आखिर बच्चों को आजादी देने के नाम पर हमने उन्हें अकेला तो नहीं छोड़ दिया? आज मोबाइल फोन केवल संवाद का माध्यम नहीं रह गया है,बल्कि यह समाज का चलता-फिरता कैमरा,अदालत और चरित्र प्रमाण-पत्र बांटने वाली मशीन बन चुका है। कहीं किसी का झगड़ा कैद हो रहा है, कहीं किसी की निजी जिंदगी सार्वजनिक की जा रही है और कहीं किसी की मजबूरी को मनोरंजन बनाकर लाखों लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। नशे की हालत में दिखाई देने वाली एक युवती का कथित वायरल वीडियो भी इसी सामाजिक मानसिकता का आईना है। वीडियो के साथ तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। कोई इसे प्रेम में धोखे की कहानी बता रहा है,कोई दो युवकों के व्यवहार पर सवाल उठा रहा है और कोई इसे नई पीढ़ी के संस्कारों से जोड़ रहा है। लेकिन वीडियो की वास्तविकता,स्थान और परिस्थितियों की पुष्टि के बिना किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं है। फिर भी इस घटनाक्रम ने समाज के सामने कुछ ऐसे सवाल खड़े कर दिए हैं,जिनसे मुंह नहीं मोड़ा जा सकता।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर युवा पीढ़ी स्वतंत्रता और स्वच्छंदता के बीच का अंतर क्यों भूलती जा रही है? आजादी का अर्थ अपनी जिंदगी के फैसले लेना है,न कि अपने विवेक को नशे के हवाले कर देना। आधुनिक कपड़े पहनना,दोस्तों के साथ घूमना,दूसरे शहर में पढ़ना या अपनी पसंद से जीवन जीना किसी समस्या का कारण नहीं है। समस्या तब शुरू होती है,जब स्वतंत्रता के नाम पर जिम्मेदारियों को बोझ समझ लिया जाता है। शराब को आधुनिकता,नशे को मस्ती और लापरवाही को बेफिक्री बताने वाली मानसिकता युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

विडंबना देखिए कि जिस उम्र में युवाओं के हाथों में किताबें,हुनर और सपने होने चाहिए,उसी उम्र में कुछ लोगों के लिए शराब की बोतलें और सोशल मीडिया की रीलें प्रतिष्ठा का माध्यम बनती जा रही हैं। पार्टी में किसने कितना पिया, किसने कितनी देर तक मस्ती की और किसका वीडियो कितना वायरल हुआ, यह सब उपलब्धि की तरह प्रस्तुत किया जाता है। क्या यही आधुनिकता है? क्या नशे में अपनी सुध-बुध खो देना आत्मनिर्भरता का प्रमाण है? जो व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण नहीं रख सकता, वह जीवन की बड़ी जिम्मेदारियों को कैसे संभालेगा? इस पूरे मामले का एक और चिंताजनक पहलू मित्रता की बदलती परिभाषा है। वीडियो के बारे में दावा किया जा रहा है कि एक युवक युवती को सुरक्षित ले जाने का प्रयास कर



रहा था,जबकि दूसरा उसे और शराब देने के लिए उकसा रहा था। यदि यह दावा सही है तो यह केवल दो युवकों के व्यवहार का अंतर नहीं,बल्कि मित्रता और मानवीयता के बीच का अंतर है। दोस्त वह नहीं जो आपकी कमजोरी का फायदा उठाए,बल्कि वह है जो आपकी गलती के समय आपको संभाले। जो व्यक्ति नशे में डूबे साथी को और नशा करने के लिए प्रेरित करता है,वह मित्र नहीं,संकट का कारण है। हालांकि, वास्तविक घटना की पुष्टि के बिना वीडियो में मौजूद किसी व्यक्ति के इरादों पर अंतिम टिप्पणी नहीं की जा सकती।

लेकिन सवाल केवल युवाओं का नहीं है। उन अभिभावकों से भी पूछना होगा जो बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं देने के लिए अपनी पूरी कमाई लगा देते हैं,लेकिन उनके जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से अनजान रह जाते हैं। गांव और छोटे शहरों से बच्चे बड़े शहरों में पढ़ने जाते हैं। माता-पिता फीस भरते हैं, हॉस्टल का किराया देते हैं, जेब खर्च भेजते हैं और उम्मीद करते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर,इंजीनियर,अधिकारी या सफल नागरिक बनेगा। लेकिन क्या कभी वे यह जानने का प्रयास करते हैं कि बच्चा किन लोगों के साथ रहता है,उसका मानसिक संसार कैसा है और वह किस तरह के दबावों से गुजर रहा है?

यहां अभिभावकों को भी आत्ममंथन करना होगा। केवल सुबह-शाम फोन करके खाना खाने और पढ़ाई करने का सवाल पूछ लेना जिम्मेदारी पूरी करना नहीं है। बच्चों के जीवन में भावनात्मक उपस्थिति भी जरूरी है। कई घरों में बच्चों से अच्छे अंक लाने,प्रतियोगिता जीतने और नौकरी हासिल करने की अपेक्षा तो बहुत होती है,लेकिन उनकी परेशानियां सुनने का समय नहीं होता। माता-पिता को समझना होगा कि बच्चों को महंगी शिक्षा के साथ सही दिशा और भरोसे की भी जरूरत है। हालांकि,इसका अर्थ यह नहीं कि हर घर से दूर पढ़ने वाला विद्यार्थी गलत रास्ते पर है। हजारों-लाखों युवा कठिन परिस्थितियों में रहकर अपने परिवार और समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। कुछ वायरल दृश्यों के आधार पर पूरी पीढ़ी को बिगड़ा हुआ घोषित करना भी उसी अज्ञानता का परिचय है,जिसके कारण समाज वास्तविक समस्याओं को समझने में असफल रहता है। लेकिन युवाओं को भी यह समझना होगा कि घर से दूर रहने का अर्थ जिम्मेदारियों से दूर होना नहीं है। माता-पिता का विश्वास कोई ऐसा कर्ज नहीं है,जिसे केवल पैसे भेजकर चुकाया जा सके। सबसे शर्मनाक स्थिति तब पैदा होती है,जब किसी व्यक्ति की असहाय अवस्था को देखकर मदद करने के बजाय मोबाइल निकाल लिया जाता है। किसी को संभालने से पहले उसका वीडियो बनाया जाता है। उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने से पहले यह सोचा जाता है कि वीडियो कितने लोगों तक पहुंचेगा। समाज को बताना होगा कि आखिर हम किस दिशा में जा रहे हैं? क्या अब इंसान की परेशानी भी कंटेंट बन चुकी है? यदि कोई युवती या युवक नशे की हालत में है तो सबसे पहले उसकी सुरक्षा,चिकित्सा और सम्मान सुनिश्चित होना चाहिए। उसका वीडियो वायरल करके उसे जीवनभर के लिए अपमानित करना कोई सामाजिक सुधार नहीं है।

महिलाओं के मामले में समाज का दोहरा चरित्र और अधिक उजागर होता है। किसी महिला की निजी जिंदगी सामने आते ही उसके चरित्र पर पंचायत बैठ जाती है। उसके कपड़े,मित्रता,संबंध और व्यवहार पर फैसला सुनाने वाले लोग यह भूल जाते हैं कि किसी भी परिस्थिति में उसकी गरिमा और सुरक्षा सर्वोपरि है। यदि कोई महिला गलत निर्णय लेती है तो उससे असहमति हो सकती है,लेकिन उसे अपमानित करने का अधिकार किसी को नहीं मिलता। पुरुषों की जिम्मेदारी पर भी उतनी ही कठोरता से सवाल उठने चाहिए जितने महिलाओं के व्यवहार पर उठाए जाते हैं। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है।

बदलेंगे संसद के आंकड़े,कब बदलेंगे गरीब के हालात?

जश्न सत्ता के विस्तार का, इंतजार रोटी के अधिकार का संसद बड़ी होगी,क्या गरीब की किस्मत भी बदलेगी?

लोकतंत्र की इमारत में कुर्सियाँ बढ़ाने की तैयारी है,प्रतिनिधियों की संख्या में इजाफा होगा,सत्ता के गलियारों में नए समीकरण बनेंगे और इसे लोकतांत्रिक इतिहास का बड़ा विस्तार बताया जाएगा। लेकिन इस जश्न के बीच एक सवाल ऐसा है,जिसका जवाब किसी राजनीतिक भाषण में सुनाई नहीं देता– जब संसद में बैठने वालों की संख्या बढ़ेगी तो क्या देश के गरीबों की थाली में भी दो निवाले बढ़ेंगे? क्या महंगाई से जूझते परिवारों की रसोई में चूल्हा कुछ अधिक इत्मीनान से जलेगा? क्या भूख, बेरोजगारी और कुपोषण के आंकड़े भी उसी अनुपात में घटेंगे,जिस अनुपात में संसद की सीटें बढ़ाने की तैयारी है? लोकतंत्र की असली परीक्षा सदन में कुर्सियों की गिनती से नहीं,जनता की थाली में भोजन की उपलब्धता से होती है। विडंबना देखिए,सत्ता के लिए सीटों का गणित बेहद महत्वपूर्ण है,लेकिन गरीब के लिए दो वक्त की रोटी का गणित आज भी अनसुलझा है।

परिसीमन का प्रश्न महज निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं बदलने या संसद का आकार बढ़ाने तक सीमित नहीं है। यह देश के संघीय संतुलन,राज्यों की राजनीतिक हिस्सेदारी और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व की भावी दिशा तय करने वाला विषय है। जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण की आशंका ने उत्तर और दक्षिण भारत के बीच प्रतिनिधित्व के संतुलन को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी की थीं। हाल के प्रस्ताव में सभी राज्यों के लिए समान रूप से करीब 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने और राज्यों के बीच मौजूदा अनुपात को 2051 तक फ्रीज रखने का प्रावधान किया गया है,फिर भी दक्षिणी राज्यों में अपनी सापेक्ष हिस्सेदारी और संघीय संतुलन को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। यह बहस अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन इस पूरे विमर्श में उस नागरिक की आवाज कहीं पीछे छूटती दिखाई देती है,जिसके नाम पर लोकतंत्र की सारी कवायद होती है। वह किसान, जिसे उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता;वह मजदूर,जिसकी मेहनत महंगाई के सामने बेबस है;वह बेरोजगार युवा, जिसके हाथ में डिग्री तो है,लेकिन रोजगार नहीं। आखिर इनकी जिंदगी में परिसीमन कौन-सा बदलाव लाएगा? क्या इनके हिस्से की आर्थिक बदहाली का भी कभी पुनर्निर्धारण होगा?

जनता की थाली का सवाल केवल गेहूं और चावल की उपलब्धता से हल नहीं होता। उसमें दाल की प्रोटीन,सब्जियों का पोषण,खाद्य तेल की जरूरत और बच्चों के लिए दूध भी शामिल है। मगर महंगाई ने रसोई का पूरा अर्थशास्त्र बिगाड़ रखा है। आम परिवार की आय का बड़ा हिस्सा भोजन जुटाने में ही खर्च हो जाता है। मुफ्त राशन की योजनाएं जरूरतमंदों के लिए सहारा अवश्य हैं,लेकिन केवल अनाज बांट देना खाद्य सुरक्षा की संपूर्ण गारंटी नहीं हो सकता। राशन की गुणवत्ता,नियमित आपूर्ति और पोषण की पर्याप्तता भी उतनी ही जरूरी है। जिस घर में दाल खरीदने से पहले जेब टटोलनी पड़े,सब्जी के दाम देखकर मात्रा घटानी पड़े और बच्चों की पौष्टिक खुराक जरूरत के बजाय बजट से तय हो,वहां सरकारी आंकड़ों की चमक कोई राहत नहीं देती।

सवाल यह है कि संसद में प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ने के साथ क्या उन नीतियों की संख्या और प्रभावशीलता भी बढ़ेगी,जो आम आदमी की रसोई को महंगाई की मार से बचा सकें?

राजनीति में संख्या का अपना आकर्षण है। अधिक सांसद यानी अधिक प्रतिनिधित्व,अधिक राजनीतिक प्रभाव और नीतिगत निर्णयों में अधिक भागीदारी की संभावना। लेकिन संख्या अपने आप संवेदना में परिवर्तित नहीं होती। सदन में आवाजें बढ़ जाने भर से जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित नहीं हो जाता। देश ने विकास के नाम पर बड़ी-बड़ी परियोजनाएं,चमचमाती सड़कें, ऊंचे पुल और भव्य इमारतें बनते देखी हैं, लेकिन आज भी अनेक गांवों के विद्यालयों की छतें बरसात में टपकती हैं,अस्पतालों में जरूरी दवाओं का अभाव रहता है और युवाओं के सामने रोजगार का संकट खड़ा है। चुनावों के समय विकास के वादे हर दरवाजे तक पहुंचते हैं,लेकिन चुनाव बीतते ही अनेक बुनियादी समस्याएं फिर फाइलों और घोषणाओं के बीच गुम हो जाती हैं। ऐसे में आम नागरिक का सवाल अस्वाभाविक नहीं है कि जब जनप्रतिनिधियों की कुर्सियां बढ़ेंगी तो क्या उनकी जवाबदेही भी बढ़ेगी? क्या उनकी प्राथमिकताओं में सत्ता का विस्तार पीछे और जनता का सरोकार आगे आएगा?

महिला आरक्षण को इस व्यापक राजनीतिक कवायद से जोड़ना निस्संदेह प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संभावना है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में आवश्यक कदम है। लेकिन इस उपलब्धि का वास्तविक मूल्यांकन केवल महिला सांसदों की संख्या से नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि सदन तक पहुंचने वाली महिलाएं उन करोड़ों महिलाओं के जीवन में कितना बदलाव ला पाती हैं,जो आज भी आर्थिक निर्भरता,असमान अवसरों, घरेल जिम्मेदारियों और सामाजिक उपेक्षा से जूझ रही हैं। खेतों में पसीना बहाने वाली महिला किसान,असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली श्रमिक और परिवार का पूरा बोझ उठाने वाली गृहिणी की समस्याएं भी नीति-निर्माण के केंद्र में आनी चाहिए। प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल सदन में उपस्थिति दर्ज कराना नहीं,बल्कि उन आवाजों को निर्णयों में स्थान देना है,जिन्हें सदियों से हाशिये पर रखा गया है। यदि महिला आरक्षण का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति तक नहीं पहुंचता तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। संख्या तभी सार्थक होगी, जब वह सामाजिक बदलाव की ताकत बनेगी।

प्रो.आरके जैन अरिजीत
बड़वानी,मप्र

हिंदी कविताएं

जो कुछ भी करना हो...



प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

जो कुछ भी करना हो
ऐसा करो की पहचान हो जाए!
जो कुछ भी करना है
ऐसा करो कि किसी पर एहसान हो जाए!
जो कुछ भी करना है
ऐसा करो कि मुश्किल आसान हो जाए!
जो कुछ भी करना है
ऐसा करो कि झूठ परेशान हो जाए!
जो कुछ भी करना है
ऐसा करो कि कपटी बेजुबान हो जाए।
जो कुछ भी करना है
ऐसा करो कि आपका दुःख मेहमान हो जाए।
कुछ भी करना है
ऐसा करो कि जान देश पर कुर्बान हो जाए।
जो कुछ भी करना है
ऐसा करो कि जग में देश का ऊंचा नाम हो जाए।
जो कुछ भी करना है
ऐसा करो कि दया के लिए मजबूर भगवान हो जाए।
जो कुछ भी करना है
ऐसा करो कि दुश्मन के खेमे में घमासान हो जाए।
जो कुछ भी करना है
ऐसा करो कि कानून की गिरफ्त में शैतान हो जाए।
जो कुछ भी करना है
ऐसा करो कि आपकी नेकी जग में महान हो जाए।

भगवान राम फिल्मों में नहीं प्रेम में मिलेंगे

फिल्म रामायण पार्ट -1 लोगों का कहना है रावण को ज्यादा शक्तिशाली दिखाया गया और राम को कम महत्व दिया गया इसी बात को लेकर दूरदर्शन डीडी में श्री सुधीर चौधरी(एक भारतीय पत्रकार हैं जो एडिटर-इन-चीफ) ने खुद उनके निर्माता श्री नमित मल्होत्रा जिसने बनाई 4,000 करोड़ की रामायण राम और रावण की तुलना में ज्यादा महत्व को स्वीकार किया कहा की रावण सही में बहुत शक्तिशाली था और इसलिए ब्रम्हा जी ने वरदान दिया सवाल ये है कि सोच में रावण ही क्यों आ रहा है जब आप इसका तुलनात्मक अध्ययन करेंगें तो किसी विद्वान ने कहाहोनहार बिरवान के होत चिकने पात का हिस्सा है,जिसका अर्थ है कि होनहार या प्रतिभाशाली व्यक्ति के गुण बचपन से ही दिखाई देने लगते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है होनहार- आगे चलकर कुछ बनने वाला या योग्य बिरवान / बिरवाः छोटा पौधा चिकने पातः मुलायम, स्वस्थ और चमकदार पत्ते जैसे स्वस्थ और मजबूत बनने वाले पौधे के पत्ते शुरुआत से ही चिकने व हरे दिखते हैं, वैसे ही आगे चलकर महान या सफल बनने वाले बच्चों की प्रतिभा कम उम्र में ही नजर आ जाती है। इसका साधारण अर्थ है जो शुरू में पौधा ऊगा वही बाद में वैसा ही फल देगा जो उसके बीज में होगा,आखिर इतना तप, ज्ञान के बाद भी सोच क्यों नहीं बदली जबकी भगवान राम ने शुरू से शांत और मर्यादा का पालन किया बेसक रावण ने शक्ति अर्जित कि लेकिन उसमें उतना कड़ा तप सिर्फ अपने लिए किया लेकिन भगवान राम ने तप ना कर दीन दुःखियों,नारी सम्मान साधु संत की रक्षा लोककल्याण हेतु की इसलिए सोच बदलो भगवान राम को फिल्म से नहीं प्रेम में डुबकी लगा कर देखा जा सकता है 14 वर्ष का वनवास पिताजी की आज्ञा के लिए राजगद्दी को छोड़कर जंगल के लिए निकल पड़े और वहाँ कोई तप नहीं बल्कि लोगों के पास जाकर देखा कि रावण ने धर्म को किस तरह नष्ट किया है राम भगवान के नाम पर ना जाने कितने लोग मीडिया मे बने रहते हैं भगवान राम खुद के लिए नहीं संपूर्ण जगत मे धर्म की स्थापना की इसका वर्णन वाल्मीकि रामायण मे है जब दंडकारन्य वन मे संतो का नरकंकाल देखा तो उसे उखो फेकने का निर्णय लिया जो रावण द्वारा बसाये गए थे तब माता सीता ने उसने कहा आप स्वामी 14 हजार राक्षसों का वध को अपने सर पर क्यों ले रहें हैं इन्होने अयोध्या का क्या बिगाड़ा है तब भगवान राम ने माता सीता से कहा जब भी कोई सामर्थ पुरुष है उसका दायित्व है कि अन्याय को संपूर्ण जनता की भलाई हेतु उसका वध करें और सभी को मार गिराया जो कर,दूषण और त्रिशूरा था इसलिए भगवान राम पुरूषोत्तम कहा जाता है ना तो कभी टीवी मे आए ना ही लम्बा चौड़ा प्रवचन दिया लेकिन धर्म की स्थापना हेतु अकेले ही करके दिखा दिया,रावण ने अपनी शक्ति गलत तरीके से हासिल कि कहा जाता है सर काट कर शंकर भगवान को चढ़ाया,



उसने लोककल्याण हेतु कोई कार्य नहीं किया क्योंकि ये बड़ा कठिन होता है और इसमें उम्र बीत जाते हैं कभी आप थकते हैं कभी दूसरे के हाल को ठीक करने में अपना समय लगाते है । इसलिए इसका फल तुरंत नहीं मिलता है और जब मिलता है तो कोई भी शक्ति इसे पराजय नहीं कर सकती क्योंकि आप लोभ,अहंकार,वासना,क्रोध,तामसिक प्रवृत्ति को खत्म कर चूके होते हैं इसलिए कोई भी गलत विचार कभी नहीं आ सकता, रावण ने जल्दी शक्ति पाने के लिए सर काट कर शरीर को कष्ट देकर किया क्योंकि भगवान से यह देखा नहीं गया होगा आखिर जिस शरीर को ईश्वर ने दिया है वो नष्ट करने पर क्यों उतारू है ईश्वर दयालू है इसलिए रावण ने अमरता का वरदान माँग लिया जबकी उसे मालूम होना चाहिए शरीर का एक दिन नष्ट होना तय है लेकिन लोग अमर होते हैं लोगों की सेवा से,दूसरे का भला करने और हर एक छोटी सी सहयोग का अहसास जताने से, भगवान राम ने अपनी महानता साबित की राम सेतु बनाने में गिलहरियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सभी गिलहरियां अपने मुंह में मिट्टियां भरकर लाती थीं और पत्थरों के बीच उनको भर देती थीं। इस दौरान उन्हें वानरों के पैरों के बीच से होकर गुजरना होता था। वानर भी इन गिरहरियों से तंग आ चुके थे। क्योंकि उन्हें भी गिलहरी को बचाने हुए निकलना होता था लेकिन वानरों को यह नहीं मालूम था कि ये गिलहरियां यहां वहां क्यों दौड़ रही है। तभी एक वानर ने उस पर चिल्लाते हुए कहा कि तुम इधर-उधर क्यों भाग रही हो। तुम हमें काम नहीं करने दे रही। तभी उनमें से एक वानर ने गुस्से में आकर एक गिलहरी को उठाया और उसे हवा में उछाल कर फेंक दिया। हवा में उड़ती हुई गिलहरी भगवान का नाम लेती हुई सीधा श्रीराम के हाथों में ही जाकर गिरी। प्रभु राम ने स्वयं उसे गिरने से बचाया था। वह जैसे ही उनके हाथों में जाकर गिरी और उसने आंखें खोलकर देखा, तो प्रभु श्रीराम को देखते ही वह खुश हो गई। उसने श्रीराम से कहा कि मेरा जीवन सफल हो गया,जो मैं आपकी शरण में आई। तब श्रीराम उठे और वानरों से कहा कि तुमने इस गिलहरी को इस तरह से क्यों लज्जित किया। श्रीराम ने कहा कि क्या तुम जानते हो गिलहरी द्वारा समुद्र में डाले गए छोटे पत्थर तुम्हारे द्वारा फेंके जा रहे बड़े पत्थरों के बीच के फासले को भर रहे हैं? इस वजह से यह पुल मजबूत बनेगा। यह सुन वानर सेना काफी शर्मिंदा हो गई। उन्होंने प्रभु राम और गिलहरी से क्षमा मांगी, वहीं रावण ने छोटे लोग जो मनुष्य की श्रेणी की अहमियत समझने में चूक हो गई और ब्रह्मा जी से अमरता का वरदान मांगने में मनुष्य और पशु को दरकिनार कर दिया और यही भूल उसके मौत के कारण बनी, किसी भी लोग की अहमियत की क्रद्र करो और उसके मेहनत का सही दाम दो सम्मान दो तो भी फैक्ट्री चलाने के लिए जी जान लगा देगा किसी को छोटा या बड़ा मानना आपकी सबसे बड़ी भूल है सभी बराबर है यदि उसके संस्कार अच्छे है। मनुष्य के यश की माप उसके संस्कार से होती है इसलिए आज जो सही में पहले साधना की वो सबमें कोई बहुत बड़ा डिग्री नहीं था लेकिन लोगों को अच्छा संस्कार दिया दुःख में खड़े होने की शक्ति दिया इसलिए लोग आज उसे भी पूजते हैं और ये सभी राम भक्त ही थे इसलिए किसी के नाम के आगे राम कृष्ण परमहंस,रामदास और राम कृष्ण शर्मा आचार्य आदि उनके सम्मान में लगा आज आपकी फैक्ट्री अच्छी चलती है तो इसमें छोटे से लेकर बड़े का योगदान होता है भगवान ने आपके पांचो ऊँगली बराबर नहीं बनाई लेकिन सभी की विशेष महत्व है ये अच्छा प्रबंधन में आज भी सिखाया जाता है हम कुछ समय पहले एक इंटरव्यू से गुजरे शुरू में तो चेयरमैन ने शांति से पूछा और जबाब दिया लेकिन कुछ अपने विषय में पारंगत अजीब सा हरकत करने लगे गुस्सा साफ झलक रहा था ऐसा चिल्ला रहा था कि मैं पूर्ण रूप से कंफ्यूज हो गया और वहाँ से जल्दी जाना उचित समझा वो खौफ आज भी है कि दिमाग में कई घंटे तक गूँजता रहा है कुछ समय बाद रिटायर हो जाओगे कोई नहीं पूछेगा और जब मौत सामने आएगी तो तुमने जैसा किया है वैसा ही भरोगे,इसलिए भगवान राम है भगवान राम है तो धर्म है और धर्म है तो आपके बुरे कर्मों की सजा भी मिलेगी कहीं और नहीं यहीं मिलेगी और समय का इंतजार करना रावण समय को बुरी शक्ति से वस में करना चाहता था लेकिन भगवान राम ने ऐसा होने नहीं दिया ।

संजय गोस्वामी,अनुशक्तनगर,मुंबई

टूटा कप

विश्व शहरीकरण मंच के वातानुकूलित मचानों पर आज विकास के गुब्बारे ऐसे उड़ रहे थे जैसे गरीब की झोपड़ी पर कोई रॉकेट छूट गया हो। कॉफ़ी हाउस के कोने में पिछले बीस साल से एक टूटा हुआ चीनी मिट्टी का कप उल्टा पड़ा है, जिस पर सूखी चाय की मलाई और वक्त की कालिख ऐसी जमी है मानो सिस्टम के माथे पर भ्रष्टाचार का परमानेंट टैटू हो। बाहर चबूतरे पर बूढ़े मुंशी मंगतराम काका अपना फटा कुर्ता टाँगे सुबह से शाम तक उस टूटे कप को इस उम्मीद में निहारते रहते हैं कि शायद उनका बेटा मानस,जो कभी इसी कप से गरीबों को न्याय पिलाने चला था,लौट आएगा। जब अभिलेखागार के पन्ने पलटते हैं तो पता चलता है कि जिस मानस ने शहरी न्याय की कसम खाकर उस कप को यहाँ छोड़ा था, वह आज उसी कॉरपोरेट सिंडिकेट और बिल्डर लॉबी का सबसे बड़ा दलाल और अरबपति टाइकून बन बैठा है,जिसने गरीबों के आशियाने उजाड़कर सीमेंट के जंगल खड़े किए हैं। महानगर का हर वीआईपी और कॉरपोरेट का डेटा-मास्टर उस टूटे कप को विकास के रास्ते का कबाड़ समझकर नजरअंदाज कर रहा है, जबकि वह टूटा कप दरअसल इस पूरी डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्मार्ट सिटी के खोखलेपन का नंगा सच है। जब अनिमेष साहब कांपते हुए काका को बताते हैं कि उनका बेटा ही इस विस्थापन का सबसे बड़ा कसाई बन चुका है, तो बूढ़े बाप की आँखें नहीं बल्कि पूरी की पूरी आधुनिक भारतीय अर्थव्यवस्था रो पड़ती है। काका का रोज आकर उस बिकाऊ कप को देखना इस बात का सबसे क्रूर प्रमाण है कि हमारे महानगरों की नींव में सीमेंट या कंक्रीट नहीं,बल्कि बेबस इंसानों के टूटे हुए सपनों का चूरा और बिकाऊ संतानों के जमीर का गंदा खून बह रहा है। विकास के इस भव्य सूअरी मेले में तमाशा यह है कि मंच पर खड़े सूट-बूट वाले साहबान ग्लोबल हब और हाई-टेक लाइफस्टाइल के जुमले उछाल रहे हैं,और नीचे सड़क पर एक लाचार बाप अपने ही खून के हाथों बिक चुके कफन को सीने से लगाए सिसक रहा है। यह देश का वह खूबसूरत भविष्य है जहाँ स्मार्ट टावर तो आसमान छू रहे हैं,मगर इंसानियत उस कॉफ़ी हाउस की टेबल पर पड़े उसी टूटे कप के साथ दम तोड़ चुकी है। अब न तो किसी मानस को लौटने की जरूरत है और न ही किसी कानून को जागने की,क्योंकि इस डिजिटल लोकतंत्र में हर बाप की छाती पर बुलडोजर चलाकर कॉरपोरेट का महल खड़ा करना ही आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय विकास घोषित हो चुका है।

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

CMYK

19 लोगों की जान लेने वाले कबरा हाथी के सामने डटे वनकर्मी,बचाई 12 दिन के शावक की जान

18 हाथियों का दल था आसपास,ड्रोन से पता चला नाली में फंसा है शावक...दो जेसीबी लेकर पहुंचे वनकर्मियों ने एक घंटे में पूरा किया रेस्क्यू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

19 लोगों की जान ले चुके कबरा हाथी की मौजूदगी के बीच वनकर्मियों ने ऐसा साहस दिखाया कि 12 दिन के नन्हे हाथी शावक को नया जीवन मिल गया। उदयपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम अलकापुरी में 18 हाथियों का दल मौजूद था। इसी दल का एक शावक संकरी नाली में उल्टा फंस गया था।

हाथियों की लगातार चिंघाड़ से अनहोनी की आशंका हुई तो वन अमले ने ड्रोन से निगरानी शुरू की। शावक के फंसे होने की पुष्टि होते ही दो जेसीबी के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद शावक को बाहर निकालकर उसके दल से मिला दिया गया। घटना 27 नवंबर की रात करीब 8 बजे की है। हाथियों का दल करमकटरा के पीबी-130 क्षेत्र से होते हुए अलकापुरी के धान के खेतों तक पहुंचा था।



इसी दौरान हाथियों ने लगातार चिंघाडना शुरू कर दिया। करीब डेढ़ घंटे तक उनके असामान्य व्यवहार को देखने के बाद वन अमले को आशंका हुई कि दल का कोई सदस्य संकट में है। ड्रोन से निगरानी करने पर एक शावक नाली में उल्टा फंसा दिखाई दिया।

ड्रोन से मिली शावक के फंसे होने की जानकारी : वन अमले ने तत्काल ड्रोन से इलाके की निगरानी शुरू की। ड्रोन संचालक ऋतिक सोनी ने जब हाथियों के दल और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया तो एक नन्हा शावक संकरी नाली में उल्टा फंसा दिखाई दिया। वह बाहर निकलने में असमर्थ था और लगातार कराह रहा था। इसके बाद दो जेसीबी मशीनें मौके पर बुलाई गईं। पटाखों की आवाज से हाथियों के दल को कुछ दूरी पर हटाने का प्रयास किया गया। इस दौरान हाथियों की मौजूदगी के कारण रेस्क्यू टीम को बेहद सतर्कता बरतनी पड़ी। जेसीबी की मदद से नाली के आसपास की मिट्टी हटाकर शावक को बाहर निकाला गया।



वन कर्मियों ने दिया सहारा : हालांकि, बाहर आने के बाद भी शावक खड़ा नहीं हो पा रहा था। उसके पैरों को जमीन पर पकड़ नहीं मिल रही थी। ऐसे में वनकर्मी इंद्र प्रसाद पिपला, अमरनाथ राजवाड़े और वसंत राम ने जोखिम उठाकर उसे पैरों का सहारा दिया और सूंड को संतुलित करने में मदद की। आखिरकार शावक अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

मां की आवाज सुनते ही दौड़ पड़ा शावक

शावक को अपनी मां की आवाज सुनाई दी तो वह जेसीबी से करीब 10 मीटर दूर मौजूद हाथियों के दल की ओर बढ़ गया। कुछ ही देर में वह अपने परिवार से जा मिला। इसके बाद वन अमले ने राहत की सांस ली और दोनों जेसीबी को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन डीएफओ लोकनाथ पटेल और एसडीओ सपना मुखर्जी के मार्गदर्शन तथा वन परिक्षेत्राधिकारी फेकु प्रसाद चौबे के नेतृत्व में पूरा हुआ। अभियान में वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों,ड्रोन संचालक ऋतिक सोनी,जेसीबी चालकों और ग्रामीण सहयोगी की अहम भूमिका रही।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर आज शहर में भारी वाहनों की नो एंट्री,आठ जगहों पर पार्किंग की व्यवस्था

सुबह 7 से रात 8 बजे तक लागू रहेगी यातायात एडवाइजरी, तीन प्रमुख मार्गों से आने वाले वाहनों के लिए रूट डायवर्ट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री के 29 नवंबर को अंबिकापुर आगमन एवं प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए सरगुजा पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। इसके तहत सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक ट्रैफिक एडवाइजरी लागू रहेगी। शहर में भारी वाहनों का प्रवेश कार्यक्रम समाप्ति तक प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि,आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहनों को आवागमन की छूट रहेगी। पुलिस ने अलग-अलग मार्गों से आने वाले वाहनों के लिए रूट डायवर्ट करने के साथ आठ स्थानों पर पार्किंग निर्धारित की है। मनेन्द्रगढ़ और बनारस रोड की ओर से आने

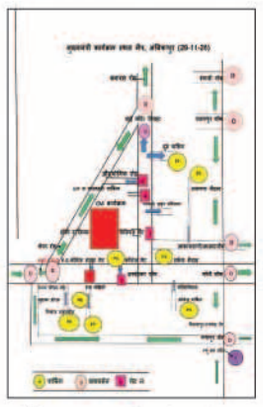

वाले वाहन साईं मंदिर तिराहा, महावीर मार्ग,रावत रेजीडेंसी तिराहा,कन्या परिसर रोड होते हुए गंगापुर मोड़,मासूम अस्पताल के पास रिंग रोड और बस स्टैंड होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। गढ़वा और प्रतापपुर रोड की ओर से आने वाले वाहन सरगवां रोड से संजय पार्क मार्ग,लरंगसाय चौक होते हुए रिंग रोड पर पहुंचेंगे। यहां से चांदनी चौक, सद्भावना चौक,भारत माता चौक और बस स्टैंड मार्ग से आगे जा सकेंगे।

रायगढ़ और बिलासपुर रोड की ओर से आने वाले वाहन रिंग रोड से भारत माता चौक, बिलासपुर चौक,नया बस स्टैंड, मासूम अस्पताल के पास गंगापुर मोड़ और माखन विहार तिराहा होते हुए एमजी रोड से अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। पुलिस ने कार्यक्रम स्थल के आसपास ड्यूटी में तैनात अधिकारी-कर्मचारियों, मीडिया प्रतिनिधियों और आम नागरिकों के वाहनों के लिए आठ पार्किंग स्थल निर्धारित किए हैं।

नियमित दवा से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति भी बन सकते हैं स्वस्थ शिशु के माता-पिता

विश्व एड्स दिवस पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आज,एआरटी केंद्र में एचआईवी की दवाएं निःशुल्क उपलब्ध,समय पर जांच और उपचार की अपील

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

एचआईवी संक्रमण अब लाइलाज बीमारी का पर्याय नहीं रह गया है। समय पर जांच, नियमित उपचार और एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) की दवाओं से संक्रमित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। नियमित उपचार से वायरल लोड इतना कम किया जा सकता है कि यौन संपर्क से साथी में संक्रमण फैलने का खतरा समाप्त हो जाता है। एचआईवी संक्रमित दंपती भी चिकित्सकीय परामर्श और नियमित उपचार से एचआईवी मुक्त शिशु के माता-पिता बन सकते हैं। विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में जिला एड्स नियंत्रण समिति,सरगुजा द्वारा विद्यार्थियों के लिए आज जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को एचआईवी की समय पर जांच,उपचार और बचाव के प्रति जागरूक करने के साथ संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव दूर करना है।



गर्भावस्था में नियमित दवा से शिशु को संक्रमण का खतरा कम : स्वास्थ्य विभाग के अनुसार एचआईवी संक्रमित महिला भी मां बन सकती है। गर्भावस्था से लेकर स्तनपान की अवधि तक नियमित दवाएं लेने और चिकित्सकीय देखरेख में रहने से शिशु में संक्रमण का जोखिम काफी कम किया जा सकता है। संतान की योजना बनाने वाले एचआईवी संक्रमित दंपती एआरटी केंद्र में परामर्श ले सकते हैं।

मेडिकल कॉलेज के एआरटी केंद्र में मुफ्त उपचार : राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय के एआरटी केंद्र में एचआईवी उपचार की दवाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं। जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता ने लोगों से समय पर एचआईवी जांच कराने और उपचार नियमित जारी रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों की गोपनीयता और गरिमा का सम्मान करना चाहिए तथा उनके साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं करना चाहिए।

चोरी का चांदी का आभूषण खरीदने वाला ज्वेलर्स संचालक गिरफ्तार

पूर्व में पकड़े गए दो आरोपियों से पूछताछ में सामने आया नाम,गणेश ज्वेलर्स से चार चांदी के ब्रेसलेट और गला हुआ चांदी बरामद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र में ज्वेलर्स दुकान का ताला तोड़कर हुई चोरी के मामले में पुलिस ने चोरी का आभूषण खरीदने वाले ज्वेलर्स संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ में गणेश ज्वेलर्स के संचालक की संलिप्तता सामने आई थी। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के चार चांदी के ब्रेसलेट और गला हुआ चांदी बरामद किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 111 और 317(2) भी जोड़ दी है।

पुलिस के अनुसार, नवापारा नेहरू छात्रावास के पीछे निवासी निधि सोनी की ज्वेलर्स दुकान में 29 सितंबर की रात से 30 सितंबर की सुबह के बीच चोरी हुई थी। अज्ञात आरोपी दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और 15 चांदी के ब्रेसलेट सहित आर्टिफिशियल ज्वेलरी चोरी कर ले गए थे। चोरी गए सामान की कीमत करीब 90 हजार रुपए बताई गई थी। मामले में गांधीनगर थाने में अपराध दर्ज कर पुलिस जांच कर रही थी।

दो आरोपियों से पूछताछ में खुला राज : विवेचना के दौरान पुलिस ने पहले शिवांग चौहान उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया था। उसकी निशानदेही पर एक आर्टिफिशियल हार और कान का झुमका बरामद किया गया था। इसके बाद मामले में शामिल इरफान अंसारी को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों से पूछताछ में पता चला कि चोरी के आभूषण गणेश ज्वेलर्स के संचालक शिवम खरात को बेचे गए थे। पुलिस ने ब्रम्ह रोड पंचशील गली निवासी शिवम खरात (19) से पूछताछ की तो उसके कब्जे से चार चांदी के ब्रेसलेट और एक नग गला हुआ चांदी बरामद किया गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया।



अन्य आरोपियों और शेष सामान की तलाश जारी : पुलिस के अनुसार, मामले में चोरी गए शेष सामान की बरामदगी और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। कार्रवाई में गांधीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक शिशिरकांत सिंह, साइबर सेल प्रभारी अजीत मिश्रा सहित थाना और साइबर सेल की टीम शामिल रही।

स्कूल जा रहे बच्चों का ई-रिक्शा पलटा, तीसरी का छात्र नीचे दबा,आईसीयू में भर्ती

हर्राटिकरा के सेमरघुटरी के पास हादसा,अन्य बच्चों को भी आई मामूली चोटें

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

शहर से लगे हर्राटिकरा के सेमरघुटरी के पास 27 नवंबर को स्कूली बच्चों से भरा ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में तीसरी कक्षा का 9 वर्षीय छात्र ई-रिक्शा के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। ई-रिक्शा में सवार अन्य बच्चों को भी मामूली चोटें आई हैं। जानकारी



के अनुसार ग्राम मुड़ेसा निवासी शिवम राजवाड़े (9) पिता रामप्रकाश राजवाड़े हर्राटिकरा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में कक्षा तीसरी का छात्र है। 27 नवंबर को वह अन्य बच्चों के साथ ई-रिक्शा से स्कूल जा रहा था। इसी दौरान सेमरघुटरी के पास ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।

हादसे में शिवम उसके नीचे दब गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आईसीयू में भर्ती किया गया है। वहीं, ई-रिक्शा में सवार अन्य बच्चों को मामूली चोटें आई हैं।

पुलिस की नाक के नीचे चल रहा था जुए का कारोबार...जिला स्तरीय दबिश के बाद थाना प्रभारी सहित पांच पर गिरी गाज

जुआरियों से कथित सांठगांठ पुलिसकर्मियों को पड़ी भारी,एसपी ने थाना प्रभारी समेत पांच को किया निलंबित

9 हजार 600 रुपये,ताश की गड्डियां और सात मोबाइल जब्त,जुआ फड़ मामले में पांव पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई

प्रतापपुर में जुए के फड़ ने खोली पुलिस की निगरानी व्यवस्था की पोल,एसपी की कार्रवाई से महकमे में हड़कंप

अवैध जुए पर एसपी का सख्त संदेश–वर्दी में रहकर गलत काम करने वालों की खैर नहीं, थाना प्रभारी समेत पांच निलंबित

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर/प्रतापपुर,28 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों के कंधों पर है,उन्हीं की निगरानी वाले थाना क्षेत्र में यदि खुलेआम जुए का फड़ संचालित होने लगे तो पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है, सूरजपुर जिले के प्रतापपुर में सामने आए जुआ प्रकरण ने स्थानीय पुलिस की निगरानी व्यवस्था और जवाबदेही को कठघरे में खड़ा कर दिया है, बस स्टैंड के समीप संचालित जुए के फड़ पर जिला स्तरीय पुलिस टीम की दबिश के बाद पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने सख्त रुख अपनाते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश पुरेना सहित पांच पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर



दिया है,इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। 27 नवंबर 2026 को प्रतापपुर बस स्टैंड के पास बड़े पैमाने पर जुआ खेले जाने की सूचना पर जिला स्तरीय पुलिस टीम ने दबिश दी थी, कार्रवाई के दौरान मौके से 99 हजार 600 रुपये नकद,52 पत्ती ताश और सात मोबाइल फोन सहित कई वाहन जब्त किए गए, जिला स्तरीय टीम की इस कार्रवाई में जुआ खेलने और खिलाने से जुड़े लोगों के साथ-साथ स्थानीय पुलिस की भूमिका को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए,बताया जा रहा है कि थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान के समीप जुए का फड़ संचालित हो रहा था, लेकिन स्थानीय स्तर पर इस पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका,मामले की गंभीरता और स्थानीय पुलिसकर्मियों की कथित भूमिका को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने विभागीय कार्रवाई की, यह कार्रवाई केवल जुआ खेलने वालों के विरुद्ध नहीं, बल्कि पुलिस व्यवस्था के भीतर जवाबदेही तय करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

थाना प्रभारी समेत पांच पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज-पुलिस अधीक्षक के आदेश के अनुसार निलंबित किए गए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों में थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश पुरेना,उपनिरीक्षक विवेक खलखो,आरक्षक क्रमांक 618 राजेश तिवारी,आरक्षक क्रमांक 847 भीमेश आरमो तथा आरक्षक क्रमांक 698 राजकुमार पासवान शामिल हैं,सभी पांचों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर जिला सूरजपुर के रक्षित केंद्र से संबद्ध किया गया है, निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा,इसके साथ ही सक्षम अधिकारी की पूर्व लिखित अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश भी दिए गए हैं,संबंधित पुलिसकर्मियों की भूमिका और आरोपों की वास्तविकता विभागीय जांच में स्पष्ट होगी,लेकिन जिला स्तरीय टीम की दबिश के बाद थाना प्रभारी सहित पांच पुलिसकर्मियों पर एक साथ कार्रवाई होना इस बात का संकेत है कि पुलिस अधीक्षक ने मामले को सामान्य लापरवाही मानकर छोड़ने के बजाय गंभीरता से लिया है।

पुलिस की नाक के नीचे जुए का फड़,निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रतापपुर बस स्टैंड के समीप जुए का फड़ संचालित होने की घटना ने सबसे बड़ा सवाल स्थानीय पुलिस की सक्रियता पर खड़ा किया है,आखिर थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान के पास इतनी बड़ी गतिविधि संचालित हो रही थी तो इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस तक क्यों नहीं पहुंची? यदि जानकारी थी तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई? क्या नियमित गश्त और सूचना तंत्र प्रभावी ढंग से काम कर रहा था? और सबसे अहम सवाल यह कि जिला स्तरीय टीम को ही मौके पर दबिश देने की आवश्यकता क्यों पड़ी? इन सवालों का जवाब केवल निलंबन आदेश से नहीं मिलेगा,इसके लिए यह जांचना भी जरूरी होगा कि जुए का फड़ कितने समय से संचालित था,इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे और स्थानीय स्तर पर इसकी जानकारी किसे थी,यदि किसी स्तर पर संरक्षण या मिलीभगत की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

एसपी का दो टूक संदेश...अवैध कारोबार में पुलिस की संलिप्तता बर्दाश्त नहीं-पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध कारोबार पर अंकुश लगाना पुलिस की प्राथमिकता है, यदि किसी भी पुलिसकर्मी की अवैध गतिविधियों में संलिप्तता अथवा कारोबारियों के साथ मिलीभगत सामने आती है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी,एसपी ने कहा कि जुआ,कबाड़, अवैध शराब और अवैध वसूली जैसे मामलों में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी, ऐसे मामलों में संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी और जांच भी कराई जाएगी।

कार्रवाई के बाद अब निगरानी और जवाबदेही की परीक्षा

प्रतापपुर की यह कार्रवाई पुलिस महकमे के लिए एक स्पष्ट संदेश मानी जा रही है कि वर्दी की जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही या अवैध कारोबार को लेकर कथित मिलीभगत के आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा,लेकिन इस कार्रवाई की असली सफलता तभी साबित होगी,जब प्रतापपुर सहित जिले के अन्य थाना क्षेत्रों में भी अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगे,अब देखना होगा कि जुआ प्रकरण की आगे की जांच में कारोबार से जुड़े किन लोगों और अन्य संभावित कड़ियों की पहचान होती है,साथ ही यह भी महत्वपूर्ण होगा कि निलंबित पुलिसकर्मियों की विभागीय जांच कितनी निष्पक्षता और तेजी से पूरी होती है,सवाल सिर्फ पांच पुलिसकर्मियों के निलंबन का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था को दुरुस्त करने का है जिसके रहते थाना क्षेत्र में अवैध जुए का फड़ संचालित होने की नौबत आई।



श्यामबिहारी जायसवाल के प्रयासों से एमसीबी को बड़ी सौगात,81 पुलों के लिए 270.88 करोड़ स्वीकृत

भरतपुर,खड़गवां और मनेंद्रगढ़ के वनांचल क्षेत्रों को मिलेगी बड़ी राहत,4,496.80 मीटर लंबाई के पुलों का होगा निर्माण





भरतपुर में 54, मनेंद्रगढ़ में 19 और खड़गवां में बनेंगे 8 पुल,4,496.80 मीटर लंबाई के पुलों से दूरस्थ गांवों को सड़क संपर्क,शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में मिलेगी राहत...

बरसात में टापू बन जाने वाली ग्रामीण बसाहटों को बारहमासी संपर्क की उम्मीद

-रवि सिंह-

मनेंद्रगढ़,28 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

विकास की असली तस्वीर तब बदलती है,जब सड़क और पुल जैसी बुनियादी सुविधाएं जिले के अंतिम छोर पर बसे गांवों तक पहुंचती हैं, इसी दिशा में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है,प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) योजना के अंतर्गत जिले के तीन विकासखंडों में 81 वृहद पुलों के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है, इन पुलों के निर्माण और रखरखाव पर कुल 270 करोड़ 87 लाख 81 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे,23 नवंबर 2026 को जारी स्वीकृति आदेश के बाद जिले के भरतपुर, खड़गवां और मनेंद्रगढ़ विकासखंडों के दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में आवागमन की तस्वीर बदलने की उम्मीद जगी है।

स्वीकृत परियोजना की कुल लंबाई 4,496.80 मीटर निर्धारित की गई है,इसमें पुलों के निर्माण के लिए 264 करोड़ 45 लाख रुपये तथा रखरखाव के लिए 6 करोड़ 42 लाख 81 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है, जिले के लिए यह केवल पुल निर्माण की स्वीकृति नहीं,बल्कि उन गांवों को बेहतर संपर्क व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जहां नदी-नाले और बरसाती जलस्रोत लंबे समय से आवागमन में बाधा बनते रहे हैं, इस बड़ी स्वीकृति को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेंद्रगढ़ विधायक श्यामबिहारी जायसवाल के प्रयासों से जोड़कर देखा जा रहा है,मंत्री ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के प्रति आभार जताते हुए इसे डबल इंजन सरकार की विकासपरक सोच का परिणाम बताया है।

81 पुलों के लिए 270.88 करोड़ रुपये,आदेश में निर्माण और रखरखाव का अलग-अलग प्रावधान-पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 23 नवंबर 2026 के स्वीकृति आदेश के अनुसार एमसीबी जिले में कुल 81 वृहद पुलों का निर्माण कराया जाएगा,इनकी कुल प्रस्तावित लंबाई 4,496.80 मीटर है, इस स्वीकृति में निर्माण के साथ रखरखाव की राशि भी शामिल की गई है,इससे स्पष्ट है कि परियोजना में केवल पुल खड़ा करने तक ही नहीं,बल्कि उनके रखरखाव के लिए भी वित्तीय प्रावधान रखा गया है, हालांकि वास्तविक लाभ निर्माण कार्य शुरू होने,निर्धारित गुणवत्ता बनाए रखने और समय पर काम पूरा होने के बाद ही ग्रामीणों तक पहुंचेगा।

मनेंद्रगढ़ विकासखंड में 19 पुलों की मंजूरी-मनेंद्रगढ़ विकासखंड में कुल 19 पुलों का निर्माण प्रस्तावित है,स्वीकृत सूची में मौहरीडांड-सजापहाड़, कोडा-बांजी वनग्रामपारा,अटल चौक पसोरी-एमपी बॉर्डर, भलोर साल्ही-मइरटोला,लेदरी नारायणपुर-चटनिहापारा और बरपानी मार्ग सहित अन्य स्थान शामिल हैं,इन पुलों के निर्माण से ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने में सहायता मिलने की उम्मीद है,विशेष रूप से सीमावर्ती और दूरस्थ बसाहटों के लिए बेहतर संपर्क व्यवस्था का महत्व अधिक है, आवागमन सुगम होने से लोगों को बाजार, स्वास्थ्य सेवाओं,शैक्षणिक संस्थानों और प्रशासनिक सुविधाओं तक पहुंचने में सहूलियत मिल सकती है,इस तरह जिले के तीनों विकासखंडों में कुल 81 पुलों का वितरण किया गया है। इसमें भरतपुर में 54,मनेंद्रगढ़ में 19 और खड़गवां में 8 पुल शामिल हैं।

ऐसे मिलेगा लाभ...

स्वास्थ्य सेवाओं को लाभ : पुल बनने से मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों तक पहुंचाने में सुविधा मिल सकती है, आपातकालीन परिस्थितियों में आवागमन का समय कम होने की संभावना रहेगी।

शिक्षा के क्षेत्र में राहत: बरसात के दौरान रास्ते बाधित होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है,बेहतर संपर्क व्यवस्था से स्कूल और महाविद्यालय तक नियमित पहुंच आसान हो सकती है।

किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती: किसान अपनी उपज को बाजार तक पहुंचाने में अधिक सुविधा महसूस करेंगे, ग्रामीणों के लिए दैनिक जरूरतों की वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंच भी बेहतर हो सकती है।

प्रशासनिक पहुंच में सुधार: दूरस्थ गांवों तक प्रशासनिक अमले,सरकारी योजनाओं और जरूरी सेवाओं की पहुंच सुगम बनाने में पुल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं,इस प्रकार यह परियोजना केवल आवागमन की सुविधा तक सीमित नहीं है,बल्कि ग्रामीण विकास के कई पहलुओं को प्रभावित करने की क्षमता रखती है।

पीएम जनमन योजना से जनजातीय क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने की पहल-प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान का उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की बसाहटों तक बुनियादी सुविधाओं और विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना है,एमसीबी जिले के वनांचल क्षेत्रों में संपर्क व्यवस्था मजबूत करने के लिए 81 पुलों की स्वीकृति इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क और पुल जैसी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होने से सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने में भी मदद मिलती है,बेहतर संपर्क व्यवस्था से स्वास्थ्य,शिक्षा,रोजगार और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों को गति मिलने की संभावना रहती है।

मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने जताया आभार,बताया विकास की बड़ी उपलब्धि-स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेंद्रगढ़ विधायक श्यामबिहारी जायसवाल ने 81 वृहद पुलों की स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के प्रति आभार जताया है, मंत्री ने इसे एमसीबी जिले के विकास के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि जिले के प्रत्येक क्षेत्र को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ना प्राथमिकता है, उनके अनुसार डबल इंजन सरकार में क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिल रही है और दूरस्थ ग्रामीण तथा वनांचल क्षेत्रों तक विकास का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भरतपुर विकासखंड को सबसे बड़ी हिस्सेदारी,54 पुलों से बदलेगी संपर्क व्यवस्था

स्वीकृत सूची में भरतपुर विकासखंड को सबसे अधिक 54 पुलों की सौगात मिली है,जिले का यह क्षेत्र भौगोलिक रूप से विस्तृत और वनांचल की बसाहटों वाला है,अनेक ग्रामीण मार्ग नदी, नालों और मौसमी जलस्रोतों से होकर गुजरते हैं, बरसात के दिनों में इन जलस्रोतों का जलस्तर बढ़ने से गांवों का संपर्क प्रभावित होने की स्थिति बनती है,ऐसे में यहां बड़ी संख्या में पुलों की स्वीकृति को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है,भरतपुर विकासखंड में आरा-तोजा, कुंवारपुर-गंजर,हर्राई-पटेराटोला,आवासपरा भगवानपुर-बहिडोल,बेनीपुरा-पतपरपरा सहित नेउर नदी और रापा नदी से जुड़े मार्गों पर पुल निर्माण प्रस्तावित हैं,स्वीकृत सूची में आवासपरा भगवानपुर-बहिडोल मार्ग पर 375 मीटर लंबाई के पुल और बेनीपुरा-पतपरपरा मार्ग पर 180 मीटर लंबाई के पुल का उल्लेख है, इन जैसे बड़े पुलों का निर्माण संबंधित क्षेत्रों में आवागमन को अधिक सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है,भरतपुर क्षेत्र में 54 पुलों की स्वीकृति का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है,क्योंकि दूरस्थ ग्रामीण बसाहटों के लिए संपर्क मार्ग केवल आवागमन का साधन नहीं होते,बल्कि शिक्षा,स्वास्थ्य,रोजगार और बाजार से जुड़ने का माध्यम भी होते हैं,पुल बनने के बाद ग्रामीणों को नदी-नालों के कारण रास्ता बाधित होने की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

खड़गवां में 8 पुलों से ग्रामीण संपर्क मार्ग होंगे मजबूत

खड़गवां विकासखंड में कुल 8 वृहद पुल स्वीकृत किए गए हैं,इनमें करवां,परसामुड़ा-गंजरपरा, मुगुम-करमीपारा,करवां-कोडांगी,रतनपुर मुख्य मार्ग-बैगापारा,सितगापारा-बेलबहरा और बरमोरा नाला सहित अन्य संपर्क मार्ग शामिल हैं,खड़गवां क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए इन पुलों का निर्माण स्थानीय आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकता है,कई ग्रामीण मार्गों पर बरसाती नालों और जलस्रोतों के कारण आवागमन प्रभावित होता है,पुल बनने से इन मार्गों पर आवाजाही अधिक सुरक्षित और नियमित होने की संभावना है,विशेषकर स्कूली बच्चों,मरीजों,किसानों और दैनिक कामकाज के लिए गांव से बाहर जाने वाले लोगों को इसका लाभ मिल सकता है,हालांकि इसका वास्तविक प्रभाव संबंधित पुलों के निर्माण और संपर्क सड़कों की स्थिति पर निर्भर करेगा।

60 से 375 मीटर तक की लंबाई वाले पुल,स्थानीय जरूरतों के अनुसार निर्माण

स्वीकृत परियोजना में अलग-अलग लंबाई के पुल शामिल हैं,सूची में 60 मीटर, 100 मीटर,120 मीटर,140 मीटर,180 मीटर और 375 मीटर तक की लंबाई वाले पुलों का उल्लेख है,इससे स्पष्ट है कि परियोजना में अलग-अलग स्थानों की भौगोलिक परिस्थितियों और संपर्क मार्गों की जरूरतों के अनुरूप निर्माण प्रस्तावित किया गया है, विशेष रूप से अधिक लंबाई वाले पुल उन स्थानों पर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं,जहां नदी या बड़े जलस्रोत के कारण बरसात में आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है,ऐसे स्थानों पर पुल बनने से ग्रामीणों को वैकल्पिक रास्तों पर निर्भर रहने की आवश्यकता कम हो सकती है।

बरसात में कटने वाले गांवों को मिलेगी राहत,स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुंच होगी आसान

एमसीबी जिले के वनांचल और दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में पुलों की कमी का असर केवल यातायात पर नहीं पड़ता,बल्कि इसका सीधा संबंध ग्रामीण जीवन की कई आवश्यकताओं से है,बरसात में नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने पर ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, कई बार मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने,विद्यार्थियों को स्कूल जाने और किसानों को अपनी उपज बाजार तक ले जाने में परेशानी होती है,ऐसे में 81 वृहद पुलों का निर्माण ग्रामीण जीवन में व्यापक बदलाव ला सकता है।

स्वीकृति के बाद अब निर्माण की गति और गुणवत्ता होगी असली परीक्षा

81 वृहद पुलों के निर्माण के लिए 270.88 करोड़ रुपये की स्वीकृति निश्चित रूप से जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है,लेकिन इस परियोजना की सफलता का वास्तविक आकलन तभी होगा जब निर्माण कार्य धरातल पर शुरू होंगे और निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएंगे,अब संबंधित विभाग के सामने निविदा प्रक्रिया,निर्माण एजेंसियों का चयन, स्थलवार कार्ययोजना और निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होगी, साथ ही यह भी जरूरी होगा कि जिन क्षेत्रों को सबसे अधिक आवागमन संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है,वहां निर्माण कार्यों को प्राथमिकता और नियमित निगरानी मिले, पुलों के निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए,क्योंकि इनका उपयोग ग्रामीणों द्वारा वर्षों तक किया जाना है,निर्माण के बाद रखरखाव की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण होगी, स्वीकृति आदेश में रखरखाव के लिए अलग से राशि का प्रावधान किया गया है,इसलिए इस मद का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना भी विभाग की जिम्मेदारी होगी।

घोषणा से धरातल तक पहुंचे काम, तभी बदलेगी वनांचल की तस्वीर

एमसीबी जिले में 81 वृहद पुलों की स्वीकृति ने ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में विकास की नई उम्मीद जगाई है,भरतपुर के 54, मनेंद्रगढ़ के 19 और खड़गवां के 8 पुलों के निर्माण से जिले के अनेक संपर्क मार्गों को मजबूती मिलने की संभावना है, अब जिले के लोगों की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि स्वीकृत पुलों का निर्माण कब शुरू होता है,काम कितनी तेजी से आगे बढ़ता है और निर्धारित गुणवत्ता के साथ कब पूरा होता है,270.88 करोड़ रुपये की यह बड़ी स्वीकृति तभी वास्तविक विकास में बदलेगी,जब वनांचल के उन गांवों तक भी बारहमासी आवागमन की सुविधा पहुंचेगी, जहां बरसात के दिनों में आज भी रास्ते बाधित हो जाते हैं, यह परियोजना एमसीबी जिले के लिए एक बड़ा अवसर है,अब जरूरत है कि स्वीकृति की यह उपलब्धि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के जरिए धरातल पर दिखाई दे।

मैनपाट में ओस की बूंदें बनीं बर्फ...5 डिग्री तक पहुंचा पारा,अंबिकापुर में भी कंपकंपी

लगातार दूसरे दिन घास और पुआल पर जमी ओस,सामरीपाट में भी कड़ाके की ठंड,अलाव के सहारे कट रही रात और सुबह

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,28 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में ठंड ने अब अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। उत्तरी सर्द हवाओं के कारण तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। छत्तीसगढ़ के शिमला मैनपाट में पारा 5 डिग्री के करीब पहुंच गया है। यहां लगातार दूसरे दिन सुबह घास और पुआल पर ओस की बूंदें जमी हुई नजर आईं। वहीं अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री दर्ज किया गया। पाट क्षेत्रों में ठंड का असर सबसे ज्यादा है। लोग दिन में भी अलाव जलाकर ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले चार-पांच दिनों से संभाग में ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है। शाम होते ही सर्द हवाएं लोगों को कंपकंपाने पर मजबूर कर रही हैं। सुबह और रात के समय ठंड अधिक महसूस हो रही है। दिन में धूप निकलने के बावजूद लोगों को राहत नहीं मिल रही। शाम होते ही शहर की सड़कों पर आवाजाही कम हो जा रही है और लोग गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं।

पाट क्षेत्रों में ओस जमने लगी : मैनपाट में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के करीब पहुंचने से सुबह घास और पुआल पर ओस की बूंदें जम रही हैं। शनिवार सुबह जगह-जगह इसका असर दिखाई दिया। बलरामपुर जिले के सामरीपाट में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ऊंचाई वाले इन इलाकों में मैदानी क्षेत्रों की तुलना में ठंड का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है।

अलाव के सहारे कट रही सुबह-शाम : अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं पाट क्षेत्रों में पारा 5 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। ठंड से बचने के लिए लोग सुबह और शाम अलाव का सहारा ले रहे हैं। पाट क्षेत्रों में दिन के समय भी लोग अलाव जलाकर बैठे नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।



बैकुंठपुर नगर पालिका चुनाव 2026

लल्ला के 13 संकल्प: बैकुंठपुर के विकास का खाका

व्यापार, खेल, पेयजल और नागरिक सुविधाओं पर केंद्रित प्रस्तावित एजेंडा





बस स्टैंड से स्विमिंग पूल और सियान सदन तक

बैकुंठपुर के विकास के लिए लाला ने खोला 13 संकल्पों का पिटारा,व्यापार से पेयजल तक का रोडमैप जारी

लाला के 13 संकल्पों में शहर की तस्वीर बदलने का दावा,बस स्टैंड से चौपाटी तक विकास की परिकल्पना

'लल्ला का संकल्प पत्र 2026' जारी,बैकुंठपुर के लिए 13 विकास योजनाओं का खाका

प्रभावित व्यापारियों को दुकानें, चौपाटी का स्थानांतरण,रामानुज क्लब का जीर्णोद्धार और चेर तालाब का सौंदर्यीकरण भी एजेंडे में शामिल

'लल्ला का संकल्प पत्र 2026' से अध्यक्ष पद की दावेदारी को सार्वजनिक रूप देने की कोशिश

-रवि सिंह-

सोनहत/बैकुंठपुर,28 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी के बीच कांग्रेस की ओर से संभावित अध्यक्ष दावेदार आशीष यादव उर्फ लाला ने शहर के विकास को लेकर अपना 13 सूत्रीय संकल्प पत्र सार्वजनिक कर दिया है,'लल्ला का संकल्प पत्र 2026' नाम से जारी पोस्टरों की इस श्रृंखला में उन्होंने बैकुंठपुर की मौजूदा जरूरतों और भविष्य की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई प्रस्ताव रखे हैं,इनमें पुराने और नए बस स्टैंड का कायाकल्प, प्रभावित व्यापारियों को प्राथमिकता से दुकानें,कुमार चौक से सोसाइटी गली तक व्यावसायिक दुकानों का विकास,चौपाटी का स्थानांतरण, रामानुज क्लब और मिनी स्टेडियम का पुनर्विकास,स्विमिंग पूल,सियान सदन,चेर तालाब का सौंदर्यीकरण,डिजिटल शिकायत व्यवस्था और स्वच्छ पेयजल जैसे विषय शामिल हैं।

आशीष यादव वर्तमान में नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के उपाध्यक्ष हैं। उनके संकल्प पत्र के पोस्टरों में कांग्रेस का चुनाव चिह्न और नगर पालिका चुनाव 2026 का उल्लेख है,ऐसे में इस पहल को उनकी संभावित चुनावी दावेदारी के साथ जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि,पार्टी की ओर से अधिकृत प्रत्याशी की घोषणा होना अभी अलग विषय है,संकल्प पत्र जारी करना अपने आप में टिकट की आधिकारिक पुष्टि नहीं है,इस संकल्प पत्र की खास बात यह है कि इसमें केवल सामान्य विकास की बातें नहीं की गई हैं,बल्कि शहर के कई पहचाने जाने वाले स्थानों और नागरिक जरूरतों को सीधे शामिल किया गया है,आशीष यादव ने अपने प्रस्तावों के जरिए यह बताने का प्रयास किया है कि नगर पालिका की जिम्मेदारी मिलने पर शहर के किन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा सकती है।

13 संकल्पों में क्या-क्या शामिल?

1. पुराने एवं नए बस स्टैंड का कायाकल्प-पहले संकल्प में पुराने और नए बस स्टैंड के जीर्णोद्धार,आधुनिकीकरण और व्यवस्थित विकास की बात कही गई है। बस स्टैंड शहर की यातायात व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं,यात्रियों के लिए बेहतर प्रतीक्षालय,पेयजल,शौचालय,प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई और बसों के संचालन की व्यवस्थित जगह जैसी सुविधाएं इस प्रस्ताव की उपयोगिता तय करेंगी।

2. सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित व्यापारियों को प्राथमिकता से दुकानें-दूसरे संकल्प में सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित व्यापारियों के पुनर्वास को प्राथमिकता देने की बात कही गई है,पोस्टर के अनुसार हाई स्कूल के समीप प्रस्तावित व्यावसायिक परिसर में प्रभावित व्यापारियों को प्राथमिकता के आधार पर दुकानें उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है,यह मुद्दा उन व्यापारियों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है,जिनकी आजीविका सड़क चौड़ीकरण अथवा विकास कार्यों से प्रभावित हुई है,हालांकि दुकान आवंटन के पात्रता नियम,लागत और प्रक्रिया स्पष्ट करना भी जरूरी होगा।

3. कुमार चौक से सोसाइटी गली तक दुकानों का विकास-तीसरे संकल्प में कुमार चौक से सोसाइटी गली तक दुकानों के गहरीकरण एवं पुनर्विकास के साथ दो मंजिला व्यावसायिक दुकानों के निर्माण का प्रस्ताव दिया गया है,इसका उद्देश्य बाजार क्षेत्र को व्यवस्थित करना और व्यापारिक गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान तैयार करना बताया गया है।

4. चौपाटी का स्थानांतरण एवं सौंदर्यीकरण-चौथे संकल्प में चौपाटी को बस स्टैंड तालाब के समीप स्थानांतरित कर मरीन ड्राइव की तर्ज पर आकर्षक और व्यवस्थित खान-पान क्षेत्र के रूप में विकसित करने की बात है,इसमें दुकानों की बेहतर व्यवस्था, सौंदर्यीकरण,साफ-सफाई और नागरिकों के बैठने की सुविधा जैसे पहलुओं की जरूरत होगी।

5. रामानुज क्लब का जीर्णोद्धार और खेल सुविधाओं का विस्तार- पांचवें संकल्प में रामानुज क्लब का जीर्णोद्धार कर बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है,यदि इस योजना को आगे बढ़ाया जाता है तो खेल उपकरण,प्रशिक्षक,रखरखाव और खिलाड़ियों के लिए नियमित गतिविधियों की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण होगी।

6. शासकीय खाली जमीनों पर व्यावसायिक परिसर-छठे संकल्प में शहर के मध्य स्थित शासकीय खाली भूमि का सदुपयोग कर व्यावसायिक परिसर बनाने की परिकल्पना रखी गई है, इसका उद्देश्य स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर तैयार करना है,हालांकि सरकारी जमीन पर निर्माण के लिए भूमि की स्थिति,संबंधित विभागों की अनुमति,उपयोग की वैधानिकता और बजट जैसे पहलुओं का समाधान आवश्यक होगा।

7. सर्वसुविधायुक्त स्विमिंग पूल क्लब-सातवें संकल्प में आधुनिक स्विमिंग पूल क्लब की स्थापना का प्रस्ताव है,इससे बच्चों,युवाओं और अन्य नागरिकों को तैराकी तथा स्वस्थ जीवनशैली से जुड़ी सुविधा देने की बात कही गई है,इसके संचालन के लिए पानी की उपलब्धता,सुरक्षा,प्रशिक्षित लाइफगार्ड, रखरखाव और संचालन खर्च की व्यवस्था भी जरूरी होगी।

8. रामानुज मिनी स्टेडियम का पुनर्विकास-आठवें संकल्प में रामानुज मिनी स्टेडियम को बेहतर बनाने की बात कही गई है, पोस्टर में ग्रास कॉर्पेट,समुचित बैरिकेडिंग और व्यवस्थित पाथवे के साथ खेल एवं व्यायाम के लिए बेहतर वातावरण विकसित करने का प्रस्ताव है,इससे शहर की खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल सकता है।

9. चेर तालाब का सौंदर्यीकरण एवं घाट निर्माण

नौवें संकल्प में चेर तालाब का सौंदर्यीकरण और घाट निर्माण शामिल है, तालाब को स्वच्छ,सुंदर और आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करने की परिकल्पना है,इसके लिए जलस्रोत की सफाई,जल निकासी,सुरक्षा और नियमित रखरखाव को भी योजना का हिस्सा बनाना होगा।

10. बुजुर्गों के लिए सर्वसुविधायुक्त सियान सदन

दसवें संकल्प में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सियान सदन बनाने का प्रस्ताव है,इसका उद्देश्य बुजुर्गों को बैठने,मिलने-जुलने,मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों के लिए सम्मानजनक स्थान उपलब्ध कराना है,ऐसे केंद्र में बैठने,पेयजल,शौचालय और प्राथमिक स्वास्थ्य सहायता जैसी सुविधाएं उपयोगी हो सकती हैं।

11. डिजिटल सुविधा और त्वरित समाधान

ग्यारहवें संकल्प में नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए ऑनलाइन शिकायत पोर्टल बनाने की बात कही गई है,नल,बिजली,पानी,सफाई और अन्य नागरिक समस्याओं की शिकायत डिजिटल माध्यम से दर्ज करने तथा उसकी स्थिति ऑनलाइन देखने की परिकल्पना है,पोस्टर में शिकायत दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास करने की बात भी लिखी गई है,इसकी व्यावहारिकता शिकायत की प्रकृति और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी के आधार पर तय होगी।

12. स्वच्छ,सुंदर एवं सुव्यवस्थित शहर-बारहवें संकल्प में नियमित साफ-सफाई,कचरे के उचित प्रबंधन,सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता और शहर के सौंदर्यीकरण के लिए विशेष अभियान चलाने का प्रस्ताव है,इसकी सफलता के लिए कचरा संग्रहण, परिवहन,निस्तारण और नागरिक भागीदारी की व्यवस्था महत्वपूर्ण होगी।

13. प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ पेयजल-तेरहवें संकल्प में प्रत्येक वार्ड और मोहल्ले में स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही गई है,जल आपूर्ति व्यवस्था का विस्तार,सुधार और जल संकट वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता देने का प्रस्ताव रखा गया है,इसके लिए जल स्रोत, पाइपलाइन,टंकियों और पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच पर ध्यान देना होगा।

स्थानीय समस्याओं को चुनावी एजेंडे में शामिल करने की कोशिश-आशीष यादव के 13 संकल्पों का दायरा देखें तो इसमें व्यापारियों,युवाओं,खेल प्रेमियों,बुजुर्गों और सामान्य नागरिकों की जरूरतों को शामिल करने का प्रयास दिखाई देता है,बस स्टैंड और बाजार क्षेत्र के विकास से लेकर स्विमिंग पूल, खेल परिसर और सियान सदन तक के प्रस्तावों के जरिए शहर के अलग-अलग वर्गों को संबोधित किया गया है,व्यापारिक क्षेत्र से जुड़े तीन प्रमुख प्रस्ताव हैं-प्रभावित व्यापारियों को दुकानें, कुमार चौक से सोसाइटी गली तक दुकानों का विकास और शासकीय खाली भूमि पर व्यावसायिक परिसर,इससे स्थानीय कारोबार और रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने का दावा किया गया है,वहीं रामानुज क्लब,मिनी स्टेडियम और स्विमिंग पूल जैसे प्रस्ताव युवाओं तथा खेल गतिविधियों पर केंद्रित हैं,चेर तालाब और चौपाटी के सौंदर्यीकरण से शहर में नागरिकों के लिए बेहतर सार्वजनिक स्थल विकसित करने की परिकल्पना है।

संकल्प पत्र के सामने सबसे बड़ा सवाल-बजट और समय-सीमा

इन योजनाओं के आकर्षक पोस्टरों के साथ उनके क्रियान्वयन से जुड़े सवाल भी महत्वपूर्ण हैं,व्यावसायिक परिसर,स्विमिंग पूल,सियान सदन और स्टेडियम जैसे प्रस्तावों के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन,भूमि और तकनीकी स्वीकृति की आवश्यकता होगी,इसी तरह बस स्टैंड और तालाब के विकास के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय भी जरूरी होगा,पोस्टरों में भवनों और विकास कार्यों के जो चित्र दिखाए गए हैं,उन्हें प्रस्तावित विकास के सांकेतिक चित्र बताया गया है,इसलिए इन्हें स्वीकृत अथवा निर्मित परियोजनाएं नहीं माना जाना चाहिए,इन प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट,बजट,समय-सीमा और संचालन व्यवस्था की जानकारी सामने आना जरूरी होगा,विशेष रूप से 24 घंटे में शिकायत समाधान की बात को लेकर भी यह स्पष्ट होना चाहिए कि किस प्रकार की शिकायतों पर यह समय-सीमा लागू होगी और समाधान की निगरानी किसके जिम्मे होगी।

अब जनता के सामने संकल्पों की व्यवहारिकता की परीक्षा

आशीष यादव ने 13 संकल्पों के माध्यम से बैकुंठपुर के विकास का अपना प्रस्तावित एजेंडा जनता के सामने रख दिया है,अब यह देखना होगा कि पार्टी टिकट को लेकर क्या निर्णय लेती है और यदि वे अधिकृत प्रत्याशी बनते हैं तो इन संकल्पों को किस तरह चुनावी अभियान का हिस्सा बनाते हैं,शहर के मतदाताओं के लिए भी इन प्रस्तावों को केवल आकर्षक पोस्टरों के आधार पर नहीं,बल्कि उनकी जरूरत, लागत, समय-सीमा और क्रियान्वयन की संभावनाओं के आधार पर परखना महत्वपूर्ण होगा,संकल्प पत्र जारी होना चुनावी तैयारी का एक संकेत हो सकता है,लेकिन उसकी असली परीक्षा तब होगी जब योजनाओं को बजट, प्रशासनिक स्वीकृति और समयबद्ध क्रियान्वयन के साथ जमीन पर उतारने की बात आएगी।

खड़गवां की कनेक्टिविटी को 7.24 करोड़ का बूस्टर...पेण्ड्री-बेलकामार सड़क को मिली मंजूरी

मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के प्रयासों को मिली सफलता,पेण्ड्री-बेलकामार मार्ग के लिए करोड़ों स्वीकृत

6.51 किलोमीटर सड़क और पुल-पुलियों पर खर्च होंगे 7.24 करोड़,एमसीबी के ग्रामीण अंचल को मिलेगी राहत

-रवि सिंह-

मनेन्द्रगढ़/खड़गवां,28 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के ग्रामीण अंचलों में आवागमन की सुविधा मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई है,खड़गवां क्षेत्र के पेण्ड्री से बेलकामार वाया मंगौरा पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग ने 7 करोड़ 24 लाख 74 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है,वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल इस परियोजना के तहत 6.51 किलोमीटर लंबी सड़क के साथ आवश्यक पुल-पुलियों का भी निर्माण किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेन्द्रगढ़ विधायक श्यामबिहारी जायसवाल के प्रयासों से मिली इस स्वीकृति को क्षेत्र की ग्रामीण कनेक्टिविटी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है,लोक निर्माण विभाग द्वारा 25 नवंबर 2026 को जारी प्रशासकीय स्वीकृति आदेश,मद क्रमांक 6732 के तहत यह राशि स्वीकृत की गई है,वित्त विभाग की सहमति के बाद जारी आदेश से अब परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है।

ग्रामीणों की आवागमन संबंधी परेशानी होगी कम, कई वर्गों को मिलेगा लाभ

पेण्ड्री से बेलकामार वाया मंगौरा मार्ग का निर्माण केवल सड़क बनाने तक सीमित नहीं होगा,बल्कि इससे आसपास के ग्रामीण इलाकों की मुख्य मार्गों तक पहुंच आसान होने की उम्मीद है,सड़क और पुल-पुलियों के निर्माण से ग्रामीणों,किसानों,विद्यार्थियों और व्यापारियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी,ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क मजबूत होने का सीधा असर शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि और व्यापार जैसी गतिविधियों पर पड़ता है,बेहतर मार्ग उपलब्ध होने से लोगों को आवागमन में लगने वाला समय कम करने और जरूरी सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने में मदद मिल सकती है,बरसात के दौरान पुल-पुलियों और सड़क संपर्क की बाधाओं से जूझने वाले ग्रामीण अंचलों के लिए भी यह परियोजना महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

श्यामबिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का जताया आभार

इस स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा लोक निर्माण विभाग के मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया है,मंत्री ने कहा कि मनेन्द्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे एमसीबी जिले का सर्वांगीण विकास और सुगम आवागमन उनकी प्राथमिकता है,पेण्ड्री से बेलकामार वाया मंगौरा मार्ग के लिए 724.74 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी,उन्होंने यह भी कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत वृहद पुलों की स्वीकृतियों से जनजातीय एवं ग्रामीण अंचलों की कनेक्टिविटी को और मजबूती मिलेगी,सरकार की प्राथमिकता है कि निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरे हों,ताकि जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके।

सिर्फ स्वीकृति नहीं,गुणवत्ता और समय-सीमा भी होगी महत्वपूर्ण

परियोजना के लिए जारी स्वीकृति में निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा का विशेष प्रावधान किया गया है,निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री तथा पूरे कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करना होगा। ठेकेदार को अनुबंध के अनुसार निर्धारित अवधि में निर्माण पूरा करना अनिवार्य रहेगा,इसके अलावा तकनीकी स्वीकृति,ड्राइंग-डिजाइन के अनुमोदन और कम से कम 90 प्रतिशत बाधारहित भूमि उपलब्ध होने के बाद ही निविदा प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी,निविदा प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से अपनाने का प्रावधान है।

गतिशक्ति और CG Geo पोर्टल पर होगी परियोजना की निगरानी

निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी गतिशक्ति पोर्टल और **CG Geo** पोर्टल पर अपडेट की जाएगी, इससे परियोजना की प्रगति की निगरानी और निर्माण से जुड़ी जानकारी को व्यवस्थित रूप से दर्ज करने में मदद मिलेगी,हालांकि,परियोजना की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि निविदा, कार्यादेश और निर्माण की प्रक्रिया कितनी तेजी से पूरी होती है तथा सड़क और पुल-पुलियों का निर्माण निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप समय पर पूरा होता है या नहीं।



क्षेत्रीय विकास को मिलेगी नई दिशा

पेण्ड्री-बेलकामार मार्ग को मिली 7.24 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति से खड़गवां क्षेत्र में विकास की उम्मीदें बढ़ी हैं,ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ने की दिशा में यह परियोजना महत्वपूर्ण साबित हो सकती है,अब क्षेत्रवासियों की निगाहें निविदा प्रक्रिया शुरू होने और निर्माण कार्य जमीन पर उतरने पर टिकी हैं, फिलहाल प्रशासकीय स्वीकृति के साथ परियोजना का रास्ता खुल गया है,अब असली कसौटी निर्माण की शुरुआत, गुणवत्ता और समय पर काम पूरा होने की होगी।

प्रतापपुर में जुए के अड्डे पर पुलिस का धावा...7 गिरफ्तार,करीब एक लाख रुपये जब्त

सूने मकान में चल रहा था जुए का खेल,पुलिस पहुंची तो खुली सात जुआरियों की महफिल

जुए की महफिल में सात खिलाड़ी धराए,नकदी के साथ छह वाहन और सात मोबाइल जब्त





बस स्टैंड के पास सूने मकान में जुए का फड़, पुलिस ने घेराबंदी कर सात को दबोचा

प्रतापपुर बस स्टैंड के पास चल रहा था हार-जीत का दांव,99 हजार 600 रुपये नकद जब्त,3 स्कूटी,2 बाइक,ओमनी कार और 7 मोबाइल भी पुलिस के कब्जे में...

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

प्रतापपुर बस स्टैंड के पास एक सूने मकान में जुए की महफिल सजाकर हार-जीत का दांव लगाया जा रहा था,मुखबिर से मिली सूचना के बाद पहुंची प्रतापपुर पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से सात लोगों को रंगे हाथों पकड़ लिया,पुलिस ने जुआ फड़ और आरोपियों के पास से कुल 99 हजार 600 रुपये नकद जब्त किए हैं, कार्रवाई में तीन स्कूटी,दो मोटरसाइकिल,एक ओमनी कार,सात मोबाइल फोन और ताश की पत्तियां भी जब्त की गई हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के निर्देश पर जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है, इसी क्रम में 27 नवंबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि प्रतापपुर बस स्टैंड के पास स्थित एक सूने मकान में कुछ लोग ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं और हार-जीत का दांव लगा रहे हैं,सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की,पुलिस की कार्रवाई के दौरान मकान के भीतर जुआ खेल रहे सात लोगों को पकड़ लिया गया,मौके से नकदी सहित जुआ खेलने में इस्तेमाल की जा रही सामग्री और आरोपियों के वाहन जब्त किए गए।

अलग-अलग गांवों और क्षेत्रों के सात लोग गिरफ्तार-पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में नंदकेश्वर पैंकरा (35 वर्ष), निवासी ग्राम कोनी,थाना पस्ता;अब्दुल रज्जाक (38 वर्ष),निवासी प्रतापपुर; मोहम्मद जाहिद (44 वर्ष),निवासी प्रतापपुर, बबलू इराकी (40 वर्ष),निवासी ग्राम कदोरा,चौकी डबरा; सुनील कुमार (31 वर्ष),निवासी ग्राम डबरा, चौकी डबरा; आशीष कुमार (19 वर्ष), निवासी ग्राम पहिया,थाना चंदौरा तथा बसंत कुमार (30 वर्ष),निवासी ग्राम सेमरा शामिल हैं,पुलिस ने सभी सात आरोपियों को जुआ खेलते हुए पकड़े जाने के बाद गिरफ्तार किया।

नकदी के साथ वाहनों और मोबाइल की भी जब्ती-इस कार्रवाई में पुलिस ने जुआ फड़ और आरोपियों के पास से कुल 99 हजार 600 रुपये नकद जब्त किए,इसके अलावा तीन स्कूटी,दो मोटरसाइकिल,एक ओमनी कार, सात मोबाइल फोन और ताश की पत्तियां भी जब्त की गईं,जब्त वाहनों और मोबाइल की मौजूदगी के बीच पुलिस कार्रवाई का एक अहम पहलू यह भी है कि सूने मकान में जुआ खेलने के लिए पहुंचे लोगों के पास बड़ी संख्या में वाहन और संचार उपकरण मौजूद थे,हालांकि, पुलिस की ओर से जब्त वाहनों और मोबाइल के संबंध में अलग से कोई विस्तृत जानकारी जारी नहीं की गई है।

छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई

पुलिस ने इस मामले में थाना प्रतापपुर में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 4 के तहत अपराध दर्ज कर सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, पूरी कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन और एसडीओपी प्रतापपुर अनूप एक्का के मार्गदर्शन में की गई,पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के निर्देश पर जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखने की बात पुलिस ने कही है,प्रतापपुर बस स्टैंड के पास सूने मकान में चल रही जुए की महफिल पर पुलिस की इस कार्रवाई ने अवैध जुआ गतिविधियों में शामिल लोगों को स्पष्ट संदेश दिया है,अब देखना होगा कि पुलिस ऐसे अन्य संभावित ठिकानों पर भी इसी तरह कार्रवाई जारी रखती है या नहीं।

धान खरीदी केंद्र चिरमी में कांग्रेस नेताओं का निरीक्षण,किसानों ने बताई अपनी परेशानियां

खरीदी केंद्र पहुंचे प्रदीप गुप्ता और अशोक जायसवाल,किसानों से सीधा संवाद कर जाना हाल



-संवाददाता-
बैकुंठपुर,28 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उपार्जन केंद्रों में व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहें,इसे लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष तथा जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल ने धान खरीदी केंद्र चिरमी का निरीक्षण किया,इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने धान बेचने पहुंचे किसानों से सीधे संवाद कर खरीदी प्रक्रिया में आ रही समस्याओं,असुविधाओं और केंद्र की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। नेताओं ने आदिम जाति सरकारी सेवा समिति मर्यादित,चिरमी के धान खरीदी केंद्र का जायजा लेते हुए किसानों से पूछा कि धान विक्रय के दौरान उन्हें किन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, किसानों ने अपनी समस्याएं और अनुभव साझा किए, इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने केंद्र के प्रबंधकों से चर्चा कर किसानों द्वारा बताई गई समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक पहल की।

किसानों को परेशानी न हो, खरीदी व्यवस्था सुचारु रखने पर जोर-निरीक्षण के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि धान खरीदी किसानों से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है, इसलिए केंद्रों में किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहनी चाहिए और खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित होनी चाहिए, किसानों को अपना धान बेचने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए संबंधित प्रबंधकों को समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए,उन्होंने खरीदी प्रक्रिया के दौरान सामने आने वाली दिक्कतों को प्राथमिकता से दूर करने और किसानों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

निगरानी समिति के सदस्य भी रहे उपस्थित-इस दौरान जिला अध्यक्ष ओबीसी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ रामकृष्ण साहू,मंडल अध्यक्ष बसंत सिंह, पूर्व उपसरपंच दिलबंदु यादव सहित धान खरीदी केंद्र की निगरानी समिति के सदस्य उपस्थित रहे, कांग्रेस नेताओं के इस निरीक्षण के दौरान किसानों की समस्याओं को सुनने और केंद्र की व्यवस्थाओं की जानकारी लेने पर जोर रहा।

वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत 12 दिसंबर को,लंबित मामलों के निपटारे के लिए न्यायिक अधिकारियों ने कसी कमर

एक ही दिन में सुलह से सुलझेंगे विवाद,12 दिसंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,28 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

इस वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 12 दिसंबर 2026 को किया जाएगा,इसके सफल आयोजन और अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री योगेंद्र पारिक ने 25 नवंबर को अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक की,बैठक में लोक अदालत को प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए आवश्यक सुझावों पर चर्चा की गई।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार आयोजित होने वाली इस लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य मामलों का निराकरण आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया जाएगा,इसके अंतर्गत राजीनामा योग्य आपराधिक एवं दीवानी मामले,मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण,बैंक एवं बिजली से संबंधित मामले,निष्पादन प्रकरण तथा पारिवारिक विवादों का निराकरण किया जा सकेगा, इसके साथ ही ऐसे मामले भी लोक अदालत के माध्यम से सुलझाए जा सकेंगे,जो अभी न्यायालय में प्रस्तुत नहीं हुए हैं।

अधिक से अधिक प्रकरणों को लोक अदालत में रखने पर जोर-बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश योगेंद्र पारिक ने अधिवक्ता संघ से आग्रह किया कि अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों को राष्ट्रीय लोक अदालत में रखवाने और उनके निराकरण में सहयोग प्रदान करें, उन्होंने लोक अदालत को अधिक प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए अधिवक्ताओं से सुझाव भी मांगे,लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने का अवसर मिलता है,इससे लंबे समय से लंबित मामलों के निराकरण में मदद मिलती है और पक्षकारों को अनावश्यक न्यायालयीन प्रक्रिया से राहत मिल सकती है।



न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी रहे उपस्थित-बैठक में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय जिला कोरिया राजेंद्र कुमार वर्मा, विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटीज कोरिया बैकुंठपुर आशीष पाठक,जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री समीर कुजूर,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अमृता दिनेश मिश्रा,अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री एस.एस.अंसारी,सचिव ध्रुव कुमार कश्यप, वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष गुप्ता सहित अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा ने राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए अधिवक्ताओं एवं संबंधित पक्षों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की है,12 दिसंबर को आयोजित होने वाली इस वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक राजीनामा योग्य मामलों के निराकरण के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और अधिवक्ता संघ की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

सुर संध्या का ऐतिहासिक आयोजन...मुंबई एवं छत्तीसगढ़ का संगम देखने उमड़ी भारी भीड़,दर्शकों का उत्साह चरम पर

सुर संध्याःसमीर-संजय नाइट सांस्कृतिक एवं सुरमई शाम के दीवाने हुए कोरिया-सरगुजा वासी

50 साल बाद बैकुंठपुर की धरा पर समीर मेमन के सुरों का जादू,शुरू में विषम प्राकृतिक परिस्थितिया बेअसर,रात 2 बजे तक चला संगीतमय कारवां...

पहली बार टेंट,साउंड,एलईडी व ग्राउंड वर्कर्स समेत हर सहयोगी का हुआ सम्मान

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,(कोरिया),28 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले की सांस्कृतिक धरा पर शनिवार को मुंबई और छत्तीसगढ़ की संगीत-संस्कृति का एक ऐसा अनूठा संगम देखने को मिला, जिसने पूरे अंचल को सुरों के जादू में सराबोर कर दिया, अवसर था भव्य सांस्कृतिक एवं सुरमई शाम 'सुर संध्याःसमीर-संजय नाइट' का,जहाँ विषम प्राकृतिक परिस्थितियों के बावजूद दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा और पूरा कार्यक्रम स्थल 'वाह-वाह'व तालियों की गड़गड़ाहट से रात 2:00 बजे तक गूंजता रहा। कार्यक्रम में मुंबई से पधारे दिग्गज गायक कलाकार समीर मेमन और उनकी टीम ने किशोर कुमार के अमर व सदाबहार गीतों की ऐसी सुमधुर झड़ी लगाई कि श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए,'घोस्ट ऑफ किशोर कुमार' के नाम से मशहूर समीर मेमन ने अपने करियर में कल्याणजी-आनंदजी के साथ काम करने के साथ-साथ वीनस में भी अपनी सेवाएं दी हैं।



संगीत के साथ-साथ वे एक पारंपरिक नाभि चिकित्सक भी हैं—श्रोताओं ने जहाँ उनके सुरों का भरपूर आनंद उठाया,वहीं उनके इस वैदिक व पारंपरिक गुण से भी कई लोग लाभान्वित हुए,दूसरी ओर,छत्तीसगढ़ की माटी और सरगुजा अंचल के गौरव श्री संजय सुरीला ने अपनी जादुई गायकी से समां बांध दिया,संजय सुरीला ने जैसे ही सुरों की तान छेड़ी,पूरा पंडाल मंत्रमुग्ध हो उठा,उन्होंने दर्शकों के बीच जाकर भी गीत प्रस्तुत किए,जिससे श्रोताओं का जोश दोगुना हो गया, किशोर दा के सदाबहार गीतों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी गीतों पर दर्शक देर रात तक थिरकते नजर आए।

दीप प्रज्वलन,मंच संचालन और स्थानीय प्रतिभाओं को मिला मंच-कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मां सरस्वती तथा जनहित संघ व'सम्यक संपर्क'के संस्थापक,प्रथम संपादक, वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवक स्व. रुद्र प्रसाद 'रूप' जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया,कार्यक्रम का सफल व आकर्षक संचालन श्रीमती सुमन पांडे द्वारा किया गया,स्वागत सत्कार के क्रम के बाद स्थानीय व क्षेत्रीय प्रतिभाओं को अपनी कला दिखाने का अवसर मिला,शहर के प्रसिद्ध गायक सचिन गुप्ता 'डिम्मी' ने अपने सुमधुर गीतों से शुरुआत की, जिसके बाद नियाज खान ने अपने सुंदर गीतों से समां बांधा, सोनू साहू की छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा,वहीं शहर के होनहार बालक अयांश जायसवाल ने अपने आकर्षक नृत्य से सभी का मन मोह लिया।

पर्दे के पीछे के कर्मवीरों का भी हुआ सम्मान-'सुर संध्या'में जहाँ सभी सुरसाधकों का सम्मान किया गया,वहीं एक बेहद सराहनीय और अनूठी पहल यह रही कि पहली बार टेंट वर्कर्स से लेकर साउंड,एलईडी ऑपरेटर्स, ग्राउंड वर्कर्स और अन्य सभी सहयोगियों को आयोजक संवर्त कुमार रुद्र प्रसाद 'रूप' द्वारा सम्मान और प्रशस्ति प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया गया।

आयोजकों के विचारः 'यह मुंबई और छत्तीसगढ़ का ऐतिहासिक संगम'-कार्यक्रम को लेकर दुष्यंत कुमार धुरिया (केंद्रीय अध्यक्ष, जनहित संघ एवं प्रधान संपादक,दैनिक 'सम्यक क्रांति' अखबार समूह) ने कहा कि यह केवल एक आयोजन नहीं था,बल्कि मुंबई और छत्तीसगढ़ का ऐसा संगम था जिसने इतिहास रच दिया। हमारा लक्ष्य जनता को स्वच्छ मनोरंजन देना था और विषम प्राकृतिक परिस्थितियों के बीच रात 2 बजे तक कार्यक्रम चलना तथा दर्शकों का उत्साह यह बता रहा था कि यह संगम सभी के दिलों को भा गया,हम आगे भी ऐसी गतिविधियां जरूर लाएंगे,वहीं जनहित संघ के केंद्रीय उपाध्यक्ष संवर्त कुमार रुद्र प्रसाद 'रूप' ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि मुंबई से श्री समीर मेमन जी बैकुंठपुर की धरा में 50 वर्ष बाद पहुंचे और उनकी पुरानी यादें आज तक जीवंत हैं। श्री मेमन 'घोस्ट ऑफ किशोर कुमार' के नाम से मुंबई में जाने जाते हैं,जिन्होंने देश से लेकर कई-कई दिन ब्रिटिश और यूरोप के लोगों को अपनी गायकी से दीवाना बना दिया। वहीं संजय सुरीला जी सरगुजा के लाल और छत्तीसगढ़ के गौरव व सुरीले कलाकार हैं,दोनों दिग्गजों का एक ही मंच पर होना हमारा सौभाग्य है,जिसके लिए सुर संध्या की टीम आभार व्यक्त करती है, उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शहर के बड़े भाई वर्ग, अनुज वर्ग और साथीगण का सहयोग सराहनीय रहा।

इन संस्थानों का रहा सहयोग और इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस भव्य आयोजन में आईसेक्ट कोरिया, प्रमिला होंडा,अजय एग्रो फूड इंडस्ट्रीज,अयांश भोग,अग्रवाल टीवीएस बैकुंठपुर,होटल रामसेतु बैकुंठपुर,दुर्गाशक्ति मार्बल बैकुंठपुर एवं विवेक मोटर्स बैकुंठपुर का विशेष सहयोग रहा,वहीं विशेष मार्गदर्शन में श्री राजेंद्र सिंह दद्दा और श्री अनिल खटीक की महत्वपूर्ण भूमिका रही, कार्यक्रम में लीना धुरिया,दुष्यंत कुमार धुरिया, डॉली मेमन,रंजिता धुरिया,राजेंद्र सिंह,नरेश सोनी,अजय जायसवाल,देवेंद्र तिवारी,भानु पाल,शैलेश शिवहरे,आशीष यादव 'लल्ला',कृष्ण बिहारी जायसवाल,गीता प्रसाद नेमा,ताहिर आजमी,शैलेंद्र श्रीवास्तव,जितेंद्र गुप्ता,अनिल खटीक,ज्योत्सना,संदीप जायसवाल,मनीष ठाकुर,सचिन गुप्ता 'डिम्मी',प्रखर सिंह,सुदीप अग्रवाल,बृजेश साहू,सुमित,संदीप चक्रधारी,विजय टुंडे,मोनू मांझी,शकील अहमद,निक्की शिवहरे,ममता तांजे,रमन गुप्ता,दीपक राजदान, गोल्डन चिकन्जुरी,प्रकाश गोस्वामी,मनोज सोनी, डॉ. नायक,करण गुप्ता,धीर साय,दुवेश,नंदलाल पण्डो,सोन साय पण्डो,भगवानदीन पण्डो,कुंवर साय पनिका,उत्तम कश्यप,रामअवतार कुशवाहा, सावित्री पनिका,सोनू साहू,परमजीत कौर,ऋषि शिवहरे,महेंद्र पांडेय सहित भारी संख्या में शहरी एवं ग्रामीण जनता की उपस्थिति रही।



इमरान की गनमास्टर जी 9 ने दी ये प्रेम मोल लिया को कड़ी टक्कर

बॉलीवुड की दो बड़ी फिल्मों ये प्रेम मोल लिया और गनमास्टर जी9 की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। मशहूर निर्देशक सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी फिल्म ये प्रेम मोल लिया में आयुष्मान खुराना और शर्वरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म को रिलीज के पहले दिन औसत शुरुआत मिली है। सुबह और दोपहर के शो में दर्शकों की संख्या कम रही,हालांकि शाम होते-होते सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिला। वहीं,इमरान हाशमी की एक्शन थ्रिलर गनमास्टर जी9 भी पहले दिन उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन करने में संघर्ष करती नजर आई। सूरज बड़जात्या लंबे समय से पारिवारिक और रोमांटिक फिल्मों के लिए पहचाने जाते हैं। उनकी फिल्मों में प्रेम, पारिवारिक रिश्तों और भावनाओं को विशेष महत्व दिया जाता है। ऐसे में आयुष्मान खुराना और शर्वरी अभिनीत ये प्रेम मोल लिया से भी दर्शकों और फिल्म उद्योग को उम्मीदें हैं। हालांकि,पहले दिन फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग नहीं मिल सकी। फिल्म के सुबह और दोपहर के शो में धीमी शुरुआत के बाद शाम के शो में दर्शकों की संख्या में सुधार देखने को मिला। ऐसे में शनिवार और रविवार को फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी की उम्मीद की जा सकती है। पारिवारिक दर्शकों के बीच फिल्म को मिलने वाली प्रतिक्रिया इसके आगामी बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।दूसरी ओर, इमरान हाशमी की फिल्म गनमास्टर जी9 भी पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती नजर आई। एक्शन और थ्रिलर शैली की इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता थी,लेकिन शुरुआती प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। अब फिल्म की कमाई में सुधार के लिए पहले वीकेंड का प्रदर्शन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों फिल्मों की शैली एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है। जहां ये प्रेम मोल लिया प्रेम और पारिवारिक भावनाओं पर आधारित फिल्म है, वहीं गनमास्टर जी9 एक्शन थ्रिलर है। दोनों फिल्मों का लक्षित दर्शक वर्ग भी अलग हो सकता है। इसके बावजूद एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज होने के कारण दोनों के बीच बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला देखने को मिल रहा है। बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों पर नजर डालें तो सैकनिल्क के शुरुआती अनुमान के मुताबिक ये प्रेम मोल लिया ने रिलीज के पहले दिन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर करीब 4 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। वहीं,फिल्म का घरेलू ग्रॉस कलेक्शन लगभग 4.70 करोड़ रुपये रहा है। फिल्म के देशभर में 7,251 शो आयोजित किए गए,जबकि इसकी औसत ऑक्यूपेंसी करीब 11 प्रतिशत रही। इमरान हाशमी की गनमास्टर जी 9 ने पहले दिन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर करीब 3.65 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। फिल्म की घरेलू ग्रॉस कमाई 4.30 करोड़ रुपये रही है। देशभर में फिल्म के 7,740 शो आयोजित किए गए और इसकी औसत ऑक्यूपेंसी करीब 12 प्रतिशत दर्ज की गई। अधिक शो मिलने के बावजूद फिल्म कमाई के मामले में आयुष्मान खुराना की फिल्म से पीछे रह गई।

पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

भारत में नेट कमाई ये प्रेम मोल लिया ₹4.00 करोड़ गनमास्टर त9 ₹3.65 करोड़

दोनों फिल्मों की कुल नेट कमाई

₹7.65 करोड़

पहले दिन की कमाई के मामले में आयुष्मान खुराना की फिल्म ने इमरान हाशमी की फिल्म को 35 लाख रुपये के अंतर से पीछे छोड़ दिया है। हालांकि,दोनों फिल्मों के बीच कमाई का अंतर ज्यादा नहीं है।

यामी गौतम पर आदित्य धर ने लुटाया प्यार

खुद को बताया यामी पग्लू,
38वें जन्मदिन पर पत्नी के लिए लिखा खास मैसेज

आदित्य धर ने अपनी पत्नी यामी गौतम के 38वें जन्मदिन पर छुट्टियों की कुछ अनदेखी तस्वीरें सेयर कीं और उनके लिए एक प्यारा सा नोट लिखा। अपने नोट में उन्होंने यामी के सहयोग, परिवार के लिए उनके समर्पण और अपनी जिंदगी में उनके योगदान की तारीफ की।

आदित्य धर ने बेहद खूबसूरती से बताया है कि यामी गौतम उनके लिए कितनी खास हैं। खुद को यामी पगलू कहते हुए, फिल्म निर्माता ने शनिवार,28 नवंबर को अपनी पत्नी के 38वें जन्मदिन पर छुट्टियों की कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही उन्होंने एक खास नोट भी लिखा, जिसमें पत्नी के लिए अपना प्यार जाहिर करने के साथ-साथ अपनी शादी का भी जिक्र किया। उन्होंने यामी को अपना घर, सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ा सहारा बताया। साथ ही कहा कि यामी ने उन्हें एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित किया है। तस्वीरों में इस जोड़े की खूबसूरत केमिस्ट्री भी देखने को मिल रही है।

आदित्य धर ने खास अंदाज में दी यामी को जन्मदिन की बधाई

यामी और आदित्य एक-दूसरे के साथ इन तस्वीरों में हंसते-मुस्कुराते और अच्छा समय बिताते नजर आ रहे हैं। हालांकि,फिल्म निर्माता के लिखे शब्दों ने इस जन्मदिन की पोस्ट को और भी खास बना दिया। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए,आदित्य ने अपने जन्मदिन संदेश की शुरुआत यामी की मुस्कान और उनके जीवन में आने वाली खुशियों की प्रशंसा करते हुए की। उन्होंने लिखा,हैप्पी बर्थडे यामी,सबसे खूबसूरत महिला जिसे मैंने कभी देखा है। आपकी मुस्कुराहट सिर्फ एक कमरे को नहीं, बल्कि मेरी पूरी दुनिया को रोशन कर देती है। आप मेरा घर हैं,मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं,मेरी सबसे बड़ी समर्थक हैं और वह व्यक्ति हैं,जिसने मुझे वह आदमी बनने के लिए प्रेरित किया है जो मैं आज हूं।



आदित्य धर ने पत्नी यामी की जमकर की तारीफ

उन्होंने यह भी बताया कि यामी अपने काम और परिवार के बीच कैसे संतुलन बनाती हैं। उन्होंने कहा कि यामी, जिस तरह एक साथ इतनी सारी जिम्मेदारियां निभाती हैं। उसे देखकर वह हैरान रह जाते हैं। उन्होंने इसी पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा,आप जिस तरह हमारे परिवार पर इतना प्यार लुटाती हैं और अपने हर काम में अपना सब कुछ झोंक देती हैं, उसे देखकर मैं हर दिन हैरान रह जाता हूं। मुझे समझ नहीं आता कि आप यह सब कैसे कर लेती हैं और फिर भी मुझे कैसे बर्दाश्त कर लेती हैं! आदित्य ने अपनी पत्नी को जीवन भर खुश रहने की शुभकामनाएं दीं और उन्हें हमेशा सपने देखते रहने और चमकते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। हैशटैग के साथ अपनी बात खत्म करते हुए,उन्होंने वादा किया कि वे हमेशा उनका हाथ थामे रहेंगे। उनका हौसला बढ़ाते रहेंगे और बार-बार उनसे प्यार करते रहेंगे।

यामी गौतम और आदित्य धर को प्यार कैसे हुआ

दोनों प्रेम कहानी 2019 की फिल्म उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक के सेट पर शुरू हुई थी,जिसका निर्देशन आदित्य ने किया था और जिसमें यामी ने अभिनय किया था,जो शुरुआत में एक प्रोफेशनल रिश्ता था,वह फिल्म के प्रमोशन के दौरान धीरे-धीरे दोस्ती में बदल गया और आखिरकार प्यार में तब्दील हो गया। दोनों ने 4 जून 2021 को हिमाचल प्रदेश में एक निजी समारोह में शादी की,जिसमें परिवार के करीबी सदस्य शामिल हुए थे। मई 2024 में इस जोड़े के बेटे वेदविद का जन्म हुआ।

आदित्य धर के लिए खास रहा 2025-26

यामी गौतम और आदित्य धर के प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें तो दोनों इन दिनों काफी बिजी हैं। आदित्य की फिल्म धुरंधरः द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही। ऐसी भी चर्चा है कि आदित्य एक और बड़े बजट के प्रोजेक्ट के लिए रणवीर सिंह के साथ फिर से काम कर सकते हैं, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

यामी गौतम की आने वाली फिल्में

वहीं, यामी गौतम अब चोर निकल के भागा 2 में नजर आएंगी। अजय सिंह के निर्देशन में बन रही यह फिल्म फ्रेंचाइजी को एक नया मोड़ देगी। यह 17 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।



रजनीकांतः बस कंडक्टर से भारतीय सिनेमा के थलाइवा बनने तक का सफर

रजनीकांत भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली अभिनेताओं में गिने जाते हैं। अपने अनोखे अंदाज,दमदार संवाद अदायगी, स्टाइल और जबरदस्त स्क्रीन उपस्थिति के कारण उन्होंने दुनिया भर में प्रशंसकों का विशाल वर्ग बनाया है। दक्षिण भारतीय सिनेमा में उन्हें प्यार से थलाइवा कहा जाता है।

जन्म और पारिवारिक पृष्ठभूमि

रजनीकांत का जन्म 12 दिसंबर 1950 को बेंगलुरु, कर्नाटक में हुआ था। उनका वास्तविक नाम शिवाजी राव गायकवाड़ है। उनके पिता रामोजी राव गायकवाड़ पुलिस कांस्टेबल थे और माता जीजाबाई गृहिणी थीं। वह अपने परिवार में चार भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। बचपन आर्थिक कठिनाइयों के बीच बीता और कम उम्र में ही उन्हें जिम्मेदारियों का सामना करना पड़ा।

शिक्षा और शुरुआती संघर्ष

रजनीकांत ने बेंगलुरु में अपनी शुरुआती पढ़ाई पूरी की। बचपन से ही उन्हें अभिनय और नाटक में रुचि थी। उन्होंने कई छोटे-मोटे काम किए,जिनमें कुली और बस कंडक्टर का काम भी शामिल था। बस कंडक्टर के रूप में काम करते हुए उनका यात्रियों से संवाद करने का अनोखा अंदाज लोगों का ध्यान खींचता था। इसी दौरान उनके भीतर अभिनेता बनने का सपना मजबूत हुआ।

अभिनय की ट्रेनिंग और फिल्मी दुनिया में प्रवेश

अभिनय के प्रति अपने जुनून को पूरा करने के लिए रजनीकांत ने मद्रास फिल्म इंस्टीट्यूट में दाखिला लिया। यहां उन्होंने अभिनय की औपचारिक शिक्षा प्राप्त की। इसी दौरान उनकी मुलाकात निर्देशक के.बालाचंदर से हुई, जिन्होंने उनकी प्रतिभा पहचानी और उन्हें फिल्मों में अवसर दिया। वर्ष 1975 में तमिल फिल्म अपूर्व रागंगल से उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की।

शुरुआती फिल्मों से सुपरस्टार तक

करियर के शुरुआती दौर में रजनीकांत ने नकारात्मक और सहायक भूमिकाएं निभाईं। उनकी अलग अभिनय शैली और प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति ने उन्हें जल्द ही लोकप्रिय बना दिया। धीरे-धीरे उन्होंने मुख्य अभिनेता के रूप में पहचान बनाई। बिल्ला, मुरट्टू कालाई और थलापति जैसी फिल्मों ने उनकी लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

हिंदी सिनेमा में पहचान

रजनीकांत ने तमिल फिल्मों के साथ हिंदी सिनेमा में भी काम किया। अंधा कानून,गिरफ्तार,भगवान दादा और हम जैसी फिल्मों में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। हिंदी दर्शकों के बीच भी उनकी लोकप्रियता बढ़ी। हालांकि उनका सबसे मजबूत प्रशंसक वर्ग तमिल सिनेमा में रहा,लेकिन उनकी फिल्में पूरे भारत में बड़े उत्साह के साथ देखी जाती हैं।

शिवाजी और रोबोट जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में

वर्ष 2007 में आई फिल्म शिवाजीः द बॉस ने रजनीकांत की लोकप्रियता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत किया। इसके बाद 2010 में रिलीज हुई एंथिरन (रोबोट) ने तकनीक और मनोरंजन के बड़े पैमाने पर नए मानक स्थापित किए। फिल्म में उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई। इसका सीक्वल 2.0 भी बड़े बजट और शानदार दृश्य प्रभावों के कारण चर्चा में रहा।

प्रमुख फिल्में और अभिनय की खासियत

रजनीकांत की प्रमुख फिल्मों में मुथु,पदयप्पा,चंद्रमुखी,कबाली,काला,पेट्टा,दरबारअ न्नात्थे और जेलर शामिल हैं। उनकी पहचान केवल संवादों या एक्शन दृश्यों तक सीमित नहीं है। वह हास्य,भावनात्मक दृश्यों और गंभीर भूमिकाओं में भी अपनी अलग छाप छोड़ते हैं। उनकी विशिष्ट शैली ने उन्हें भारतीय सिनेमा का सांस्कृतिक प्रतीक बना दिया है।

खेल-समाचार

भारतीय टीम का ऐलान,19 एशिया कप में भाविका अहिरे करेंगी कप्तानी

यूएई,28 नवम्बर 2026। एसीसी यू-19 महिला एशिया कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज भाविका अहिरे को सौंपी गई है। भारतीय महिला 19 टीम एशिया कप में एक बार फिर अपना दबदबा कायम करने के इरादे से उतरेगी। ऐसे में 19 एशिया कप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में होने वाले एसीसी यू-19 महिला एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय टीम चुनी गई है। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज भाविका अहिरे को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि अनादी तागड़े उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी।

महिला सिलेक्शन कमेटी ने 28 नवंबर 2026 को टीम की घोषणा की। टीम में देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाली खिलाड़ियों को जगह दी गई है। भाविका के अलावा श्रेया एस चव्हाण को भी विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। इससे भारतीय टीम के पास विकेटकीपिंग के लिए दूसरा विकल्प भी मौजूद रहेगा।



डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगी टीम इंडिया

भारतीय 19 महिला टीम का हाल के सालों में एशियाई और वैश्विक स्तर पर शानदार प्रदर्शन रहा है। टीम ने 2024 में एसीसी यू-19 महिला टी20 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। इस बार भारतीय टीम उसी कामयाबी को दोहराने और अपना खिताब बचाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। इसके अलावा भारत ने 2023 में आईसीसी यू-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप भी जीता था। इन दोनों बड़ी उपलब्धियों ने भारतीय टीम को इस आयु वर्ग में दुनिया की मजबूत टीमों में शामिल किया है।

इन खिलाड़ियों को मिली टीम में जगह

15 सदस्यीय भारतीय टीम में कप्तान भाविका अहिरे और उपकप्तान अनादी तागड़े के अलावा इरा जाधव,निधि महतो और पूर्वा सिवाच को शामिल किया गया है। वहीं महक नरवसे,मैत्री मनियार,ईश्वरी आवासरे और दीया यादव भी टीम का हिस्सा हैं। समायरा राघव,कुमारी पलक,उमा काश्वी, अच्छाह परमार और पलक सिंह को भी टीम में जगह मिली है। भारतीय टीम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और विकेटकीपिंग के लिए संतुलित विकल्प रखे गए हैं।

एसीसी यू- 19 महिला एशिया कप के लिए भारतीय टीमःभाविका अहिरे (कप्तान, विकेटकीपर),अनादि तागड़े (उपकप्तान),इरा जाधव,निधि महतो, पूर्व सिवाच,महक नरवासे,मैत्री मनियार,ईश्वरी अवसरे,दीया यादव,श्रेया एस चव्हाण (विकेटकीपर),समैरा राघव,कुमारी पलक,उमा काशवी, अचसा परमार,पलक सिंह।

रिंकू सिंह बनेंगे केकेआर के नए कप्तान?

आईपीएल 2027 पर इरफान पठान का बड़ा बयान

नई दिल्ली ,28 नवम्बर 2026। भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि आईपीएल2027 के लिए रिंकू सिंह को कोलकाता नाइट राइडर्स का नया कप्तान बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तीन बार की चैंपियन इस टीम के पास कप्तानी के लिए बहुत कम विकल्प मौजूद हैं। अजिंक्य रहाणे के क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद,केकेआर को अब एक नए कप्तान की तलाश है। पठान ने वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप का भी जिक्र किया,जिन्हें केकेआर 16 दिसंबर को गोवा में होने वाली नीलामी में खरीदकर कप्तान बना सकती है।



छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग क्र.1, अम्बिकापुर,सरगुजा (छ0ग0)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक,14.12.2026, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत जी.एस.टी. छोड़ कर (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
204137	07/व.ले.लि./2026-27 दिनांक 23.11.2026	बोदार नाला स्टापडेम कम काजवे का निर्माण कार्य ।	311.20	प्रथम आमंत्रण
204141	08/व.ले.लि./2026-27 दिनांक 23.11.2026	बकमेर स्टापडेम कम काजवे का निर्माण कार्य ।	321.50	प्रथम आमंत्रण
204142	09/व.ले.लि./2026-27 दिनांक 23.11.2026	लेदराडांड व्यपवर्तन योजना का निर्माण कार्य ।	355.95	प्रथम आमंत्रण
204143	10/व.ले.लि./2026-27 दिनांक 23.11.2026	कंचनपुर जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य ।	372.73	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 30.11.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है ।
नोटः-1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस. ओ. आर. दिनांक 01.05.2025 एवं दिनांक 08.08.2025 के जारी संशोधन के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 1 रामानुजगंज
अम्बिकापुर (छ.ग.)
कृते अधीक्षण अभियंता
जल संसाधन मण्डल,बलरामपुर (छ. ग.)

जी0नं0 -262704736/7

नाम परिवर्तन सूचना

मैं,खलखो जमगी (khalkho jamgi),पिता श्री चुकन खलखो (chukan Xalxo),उम्र लगभग 60 वर्ष, निवासी ग्राम टपरकेला, पोस्ट नवानगर, तहसील दरिमा, जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़ का स्थायी निवासी हूँ, मैंने अपनी स्वेच्छा एवं पूर्ण होशोहवास में अपना पुराना नाम खलखो जमगी (khalkho jamgi) परिवर्तित कर नया नाम जयमसही खलखो (jaimashi Xalxo) रख लिया है, तथा आज दिनांक से समस्त व्यक्तिगत, सामाजिक, शैक्षणिक, सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यों तथा अन्य सभी प्रयोजनों के लिए जयमसही खलखो (jaimashi Xalxo) के नाम से जाना, पहचाना एवं संबोधित किया जाऊँगा।

अतः समस्त शासकीय एवं अशासकीय विभागों,कार्यालयों,शैक्षणिक संस्थानों,बैंकों एवं अन्य संबंधित संस्थाओं तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भविष्य में मेरे नए जयमसही खलखो (jaimashi Xalxo) को मान्य किया जाए तथा आवश्यकतानुसार अभिलेखों में नाम परिवर्तन की कार्यवाही की जाए। इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी,गलत पहचान अथवा किसी अन्य व्यक्ति के अधिकारों को प्रभावित करने का कोई उद्देश्य नहीं है।

सपथकर्ता
खलखो जमगी (khalkho jamgi)



भोपाल में हॉकी का महामुकाबला

चीन को चुनौती देगी भारतीय महिला टीम

भोपाल,28 नवम्बर 2026। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026 का खिताबी मुकाबला भारत और चीन के बीच खेला गया। नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के हॉकी स्टेडियम में शाम सात बजे मुकाबला शुरू हुआ। मौजूदा चैंपियन भारतीय महिला हॉकी टीम के पास लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रची। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में मलेशिया को 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं,चीन ने जापान को 1-0 से शिकस्त देकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह सुनिश्चित की। भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय रही है। घरेलू मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों के पास अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने का अवसर होगा। मलेशिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल दिखाया। भारत की ओर से दीपिका ने दो गोल किए, जबकि मुमताज खान,नवनीत कौर,सुनेलिता टोप्पो और इशिका ने एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने छठी बार प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाई। भारतीय महिला हॉकी टीम इससे पहले वर्ष 2016,2023 और 2024 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर चुकी है। दक्षिण कोरिया ने भी तीन बार इस प्रतियोगिता में जीत दर्ज की है। ऐसे में चीन के खिलाफ जीत मिलने पर भारत चार खिताब जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। इसके साथ ही लगातार तीन संस्करणों में चैंपियन बनने का रिकॉर्ड भी भारत के नाम हो जाएगा।

बीजापुर में नक्सली डंप से 4.29 करोड़ का गोल्ड मिला

24 लाख कैश भी बरामद,33 सोने के बिस्किट स्टील के डिब्बे में छिपाए थे...





बीजापुर,28 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों के डंप के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बीच एक और बड़ी बरामदगी हुई है। भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में इंद्रावती नदी के आसपास स्थित जंगल में जमीन के अंदर छिपाकर रखे गए डंप से 3.84 किलोग्राम सोना और 24 लाख 22 हजार 500 रुपए कैश मिला है। बरामद सोने की अनुमानित कीमत करीब 4 करोड़ 29 लाख रुपए है। इसमें 33 सोने के बिस्किट शामिल हैं, जिनकी कुल मात्रा 330 तोला बताई गई है।

जमीन के अंदर स्टील के डिब्बे में रखा था सोना

पुलिस के मुताबिक,सुरक्षा बलों को सूचना मिली थी कि भैरमगढ़ और पुटरू थाना क्षेत्र के सीमावर्ती जंगल में नक्सलियों ने बड़ी मात्रा में कैश और सोना छिपाकर रखा है। सूचना के आधार पर सर्च अभियान की योजना बनाई गई। अभियान के दौरान इंद्रावती नदी के आसपास जंगल में जमीन के अंदर छिपाकर रखे गए डंप का पता चला। जवानों ने तलाशी के दौरान सोने के 33 बिस्किट और 24 लाख 22 हजार 500 रुपए कैश बरामद किए।

बीजापुर में अब तक 12.34 किलो सोना और 8.24 करोड़ कैश बरामद

पुलिस के मुताबिक,बीजापुर जिले में नक्सलियों डंप के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अलग-अलग स्थानों पर सर्च ऑपरेशन के दौरान पहले भी माओवादियों के छिपाए गए डंप से सोना और कैश बरामद की गई है। इस ताजा कार्रवाई के साथ जिले में अब तक कुल 12.34 किलोग्राम सोना और करीब 8.24 करोड़ रुपए कैश बरामद किए जाने की जानकारी दी गई है।

संपति किसकी थी इसकी जांच की जा रही...

एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में सोना और कैश मिलने के बाद पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि यह संपत्ति किसकी थी और इसे किस उद्देश्य से छिपाकर रखा गया था। बरामदगी से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

1,280 करोड़ के शराब घोटाले का आरोपित विकास अग्रवाल 30 नवंबर तक ईओडब्ल्यू की रिमांड पर



रायपुर,28 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 1,280 करोड़ के शराब घोटाला मामले में जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपित विकास अग्रवाल को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया और उसे शुक्रवार रात करीब 12 बजे उसे रायपुर की रिमांड अदालत में पेश किया गया। जहां से अदालत ने पूछताछ के लिए आरोपित को 30 नवंबर तक आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दिया है।

अदालत में जज की अनुपस्थिति के कारण विकास अग्रवाल को देर रात रिमांड अदालत में पेश किया गया। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने आरोपित से पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड की मांग की थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने 30 नवंबर तक पूछताछ की अनुमति दे दी। रात करीब 12:33 बजे ईओडब्ल्यू के अधिकारी आरोपित को लेकर कार्यालय पहुंचे। अब सोमवार को उसे दोबारा अदालत में पेश किया जाएगा। जांच एजेंसियों के अनुसार, साल 2019 से 2022 के बीच छत्तीसगढ़ में शराब वितरण में हुई कथित गड़बड़ी से सरकारी खजाने को 1,280 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ था। इस मामले में नवंबर 2024 में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है।

विकास अग्रवाल यूएई में रहकर 'बोस्टन' नामक कंपनी में मैनेजर के तौर पर काम कर रहा था। वह शराब सिंडिकेट में डिस्टिलरी से कमीशन की रकम वसूलता था और उसे अधिकारियों व अन्य लाभार्थियों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालता था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के जरिए यूएई में विकास अग्रवाल की गिरफ्तारी कराई थी। इसके बाद विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के समन्वय से प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी की गई। आरोपित को रायपुर लाने के लिए छत्तीसगढ़ ईओडब्ल्यू की विशेष टीम भेजी गई थी, जिसमें ईओडब्ल्यू चीफ (आईजी) अमरेश मिश्रा, डीएसपी रोशन आहूजा और डीएसपी राहुल शर्मा शामिल थे। बचाव पक्ष के अधिवक्ता शशांक मिश्रा ने अदालत में कहा कि आरोपित पर उसी अपराध के तहत कार्रवाई और ट्रायल किया जा सकता है, जिसके आधार पर उसे भारत लाया गया है।

महादेव सट्टा केस...हिमांशु शेखर को 10 दिसंबर तक जेल



रायपुर,28 नवम्बर 2026। महादेव ऑनलाइन सट्टा केस में आरोपी वकील हिमांशु शेखर उर्फ मोहित को शनिवार को रायपुर की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने पेश किया गया। हिमांशु को कोर्ट ने 10 दिसंबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। 28 नवंबर तक मिली ईडी की कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद एजेंसी ने उससे आगे पूछताछ के लिए रिमांड नहीं मांगी। ईडी ने 14 दिन की न्यायिक रिमांड की मांग की थी। हिमांशु पर महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से केस रफा-दफा करवाने के लिए 15 करोड़ लेने के आरोप है। इधर, हिमांशु ने ईडी के आरोपों को गलत बताया है। उसका कहना है कि उसने सौरभ चंद्राकर से कोई पैसा नहीं लिया है। उसने यह भी कहा कि ईडी के पास इस लेन-देन का कोई सबूत नहीं है। पूछताछ के दौरान उसने एजेंसी के सभी सवालों के जवाब दिए हैं।

बचाव पक्ष बोला...सौरभ से कोई लेन-देन नहीं...

हिमांशु के वकील फैजल रिजवी ने कोर्ट में कहा कि 15 करोड़ रुपए लेने के आरोप का समर्थन करने के लिए कोई बैंक ट्रांजेक्शन या दूसरा ठोस सबूत नहीं है। उन्होंने बताया कि हिमांशु किसी बार काउंसिल में वकील के रूप में पंजीकृत नहीं है, बल्कि एक लॉ फर्म में काम करता है।

जान का खतरा बताया,जेल में सुरक्षा की मांग की...

कोर्ट में पेशी के दौरान हिमांशु ने अपनी जान को खतरा बताया। उसने जेल में सुरक्षा देने के लिए कोर्ट में आवेदन भी दिया। इस पर कोर्ट ने जेलर को जेल के नियमों के मुताबिक उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद हिमांशु को न्यायिक हिरासत में सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

केस रफा-दफा कराने के नाम पर लिए 15 करोड़ रुपए

दरअसल, हिमांशु पर आरोप है कि, उसने महादेव ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से केस रफा-दफा कराने के नाम पर 15 करोड़ रुपए लिए थे। इसके लिए उसने जज और अधिकारियों को मैनेज करने का भरोसा दिलाया था। ईडी इस कथित लेन-देन के साथ हिमांशु और सौरभ के बीच दुबई में हुई मुलाकातों की भी जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस पर 14 किताबों का विमोचन

5 साहित्यकारों का सम्मान,मंत्री ओपी चौधरी बोले-छत्तीसगढ़ी बोलने में संकोच नहीं,गर्व करें

रायपुर,28 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ी भाषा को घर-परिवार, शिक्षा और रोजमर्रा के कामकाज में ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की जरूरत है। बच्चों की शुरुआती पढ़ाई भी स्थानीय भाषा में होनी चाहिए, ताकि वे आसानी से समझ सकें और बेहतर तरीके से सीख सकें। यह बात वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने शनिवार को रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस समारोह में कही। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी समेत दूसरी भाषाएं सीखने में कोई बुराई नहीं है,लेकिन अपनी मातृभाषा और संस्कृति को नहीं छोड़ना चाहिए। अपनी भाषा के प्रति गर्व और आत्मविश्वास होना जरूरी है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने भी कहा कि छत्तीसगढ़ी बोलने में किसी को संकोच नहीं करना चाहिए। हमें अपनी मातृभाषा बोलने पर गर्व होना चाहिए। संस्कृति विभाग के छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग की ओर से सिविल लाइंस स्थित न्यू सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में 14 साहित्यिक पुस्तकों का विमोचन किया गया। छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य में योगदान देने वाले पांच साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ी लघु फिल्म 'मोर भाखा' भी लॉन्च की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल वीडियो संदेश के जरिए शामिल हुए।



मैकाले की शिक्षा नीति का जिक्र कर बोले...अपनी जड़ों से जुड़े रहें...

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि किसी भी समाज की पहचान उसकी भाषा और संस्कृति से होती है। अंग्रेजों के शासनकाल की शिक्षा नीति और मैकाले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अपनी भाषा और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने से व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने अपने स्कूली जीवन और आईएएस में चयन तक के अनुभव भी साझा किए। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने और छत्तीसगढ़ी को राजभाषा का दर्जा मिलने के बाद लोगों की सोच में बदलाव आया है। पहले ग्रामीण क्षेत्रों से शहर आने वाले कई लोग छत्तीसगढ़ी बोलने में संकोच करते थे। अब इस मानसिकता को पूरी तरह बदलने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि हीरालाल काव्योपाध्याय ने वर्ष 1885 में ही छत्तीसगढ़ी भाषा का व्याकरण तैयार कर दिया था। यह भाषा की पुरानी साहित्यिक परंपरा को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री बोले...नई पीढ़ी को मातृभाषा से जोड़ें...

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ी हमारी सांस्कृतिक विरासत और स्वाभिमान का प्रतीक है। लोकगीतों,लोककथाओं,तीज-त्योहारों और परंपराओं में इस भाषा की मिठास दिखाई देती है। उन्होंने लोगों से घर, शिक्षा,साहित्य और रोजमर्रा के व्यवहार में छत्तीसगढ़ी का इस्तेमाल बढ़ाने की अपील की। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी कहा कि बच्चों को छत्तीसगढ़ी सिखाएं और घर-परिवार में बिना संकोच इस भाषा का उपयोग करें। उन्होंने मातृभाषा के संरक्षण और प्रचार-प्रसार में सभी से योगदान देने की अपील की।

14 पुस्तकों का विमोचन : छत्तीसगढ़ी साहित्य,लोकजीवन,संस्कृति और सामाजिक विषयों पर लिखी गई 14 पुस्तकों का विमोचन किया गया।

5 साहित्यकार सम्मानित : गरियाबंद के मकसूदन राम साहू 'बरीवाला',रायगढ़ की सुधा देवांगन, सरगुजा के सुदामा राम गुप्ता और रायपुर के ईश्वर साहू 'बंधी' व गोविंद धनगर को सम्मानित किया गया।

लघु फिल्म लॉन्च : छत्तीसगढ़ी भाषा पर आधारित फिल्म 'मोर भाखा' का लोकार्पण किया गया।

साहित्यिक परिचर्चा : 'पुरखा के सुरता' कार्यक्रम में दिवंगत साहित्यकार डॉ. सत्यभामा आडिल के साहित्यिक योगदान को याद किया गया। डॉ. कल्पना मिश्रा और डॉ. रेशमा अंसारी ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर विचार रखे।

परिसीमन से छत्तीसगढ़ को मिलेंगी 45 नई विधानसभा सीटें! सीएम विष्णुदेव साय बोले...ज्यादा लोगों को मिलेगा प्रतिनिधित्व करने का अवसर

रायपुर,28 नवम्बर 2026। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक और महिला आरक्षण को लेकर प्रस्तावित बदलावों को मंजूरी दे दी गई है। इसको लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र बढ़ेगा, छत्तीसगढ़ का विकास होगा। साथ ही ज्यादा लोगों को प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक और महिला आरक्षण को लेकर प्रस्तावित बदलावों को मंजूरी दे दी गई है। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों में 50 फीसदी तक वृद्धि का प्रावधान है। साथ ही महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने का रास्ता तैयार करने की कोशिश की गई है।

एसबीआई की लापरवाही...50 हजार का चेक नहीं हुआ पास,कस्टमर को 60 हजार देने के आदेश,सर्वर डाउन की बात भी नहीं आई काम

राजनांदगांव,28 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में चेक क्लियरिंग में 2 दिन की देरी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को भारी पड़ गई। बैंक की दिग्विजय स्टेडियम शाखा ने 50 हजार रुपए का चेक समय पर क्लियरिंग के लिए आगे नहीं भेजा। इस देरी के कारण चेक की 90 दिन की वैधता समाप्त हो गई और भुगतान अटक गया। मामले में जिला उपभोक्ता फोरम ने बैंक को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए परिवादी को चेक की पूरी रकम, मानसिक क्षतिपूर्ति और वाद व्यय मिलाकर कुल 60 हजार रुपए देने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान बैंक की सर्वर डाउन की बात भी काम नहीं आई। राजनांदगांव के शांति नगर वार्ड-04 निवासी खिलेश्वर सिन्हा का खाता एसबीआई की दिग्विजय स्टेडियम शाखा में है। उन्हें रवि वैष्णव ने जना स्मॉल फाइनेंस बैंक,दुर्ग का 50 हजार रुपए का चेक दिया था। यह चेक 21 नवंबर 2025 को जारी हुआ था। खिलेश्वर ने इसे 18 फरवरी 2026 को एसबीआई में जमा किया। चेक की वैधता 90 दिन होने के कारण जमा करते समय उसकी मियाद बाकी थी। एक दिन बाद क्लियरिंग के लिए भेजा चेक शिकायतकर्ता के मुताबिक 19 फरवरी को क्लियरिंग डे होने के बावजूद बैंक ने चेक क्लियरिंग के लिए नहीं भेजा। इसके बजाय 20 फरवरी को चेक आगे भेजा गया। इस देरी के दौरान चेक की 90 दिन की वैधता पूरी हो गई।



हरे पत्तों के बीच छिपा बैठा था 'कुतरू'...सोनहत में प्रकृति का खूबसूरत नजारा कैमरे में कैद

सोनहत में बरगद पर दिखा आकर्षक पक्षी 'बड़ा बसंत',मोबाइल कैमरे में कैद हुई खूबसूरत तस्वीर

चमकीला हरा शरीर,भूरे रंग का सिर और अनूठी चोंच बनी आकर्षण का केंद्र,'कुतरू' की गूंजती आवाज से भी पहचाना जाता है यह पक्षी

-विशेष संवाददाता-

सोनहत (कोरिया),28 नवम्बर 2026। प्रकृति की खूबसूरती और जैव-विविधता से समृद्ध सोनहत वनांचल में इन दिनों एक आकर्षक पक्षी की मौजूदगी ने प्रकृतिप्रेमियों का ध्यान खींचा है, क्षेत्र में एक हरे-भरे बरगद के पेड़ पर भूरे सिर और चमकीले हरे शरीर वाला खूबसूरत पक्षी 'ब्राउन-हेडेड बार्बेट' दिखाई दिया, स्थानीय भाषा में इसे 'बड़ा बसंत' अथवा 'कुतरू' के नाम से भी जाना जाता है,इस पक्षी की मनमोहक तस्वीर दैनिक घटती-घटना के पत्रकार राजन पांडे ने अपने घर के समीप स्थित बरगद के पेड़ पर बैठे हुए अपने मोबाइल कैमरे में कैद की।

सामान्य तौर पर पेड़ों की घनी पत्तियों के बीच अपने हरे रंग के कारण आसानी से नजर नहीं आने वाला यह पक्षी अपनी विशिष्ट बनावट और आवाज के लिए पहचाना जाता है, सोनहत के रिहायशी इलाके के समीप इसकी मौजूदगी ने एक बार फिर क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा और आसपास मौजूद हरियाली की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

चमकीला हरा शरीर और भूरे रंग का सिर है खास पहचान

ब्राउन-हेडेड बार्बेट का वैज्ञानिक नाम Psilopogon zeylanicus है, इसकी सबसे खास पहचान इसका चमकीला हरा शरीर और भूरे रंग का सिर एवं गर्दन है, सिर और गर्दन पर हल्की सफेद धारियां दिखाई देती हैं, आंखों के चारों ओर पीले-नारंगी रंग का स्पष्ट घेरा तथा मोटी गुलाबी-नारंगी चोंच इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देती है, हरे पत्तों के बीच बैठने पर इसका शरीर आसपास की वनस्पतियों में घुल-मिल जाता है, यही वजह है कि कई बार इसे देख पाना मुश्किल होता है, लेकिन इसकी आवाज दूर से ही इसकी मौजूदगी का

'कुतरू-कुतरू' की आवाज से होती है पहचान

इस पक्षी को स्थानीय स्तर पर 'कुतरू' कहे जाने के पीछे इसकी विशिष्ट आवाज भी एक वजह है, यह तेज और लगातार 'कुतरू... कुतरू...' जैसी ध्वनि निकालता है,जंगल और पेड़ों से घिरे इलाकों में इसकी आवाज अक्सर सुनाई देती है,कई बार घनी पत्तियों के बीच छिपे होने के कारण पक्षी दिखाई नहीं देता,लेकिन उसकी आवाज से आसपास मौजूद लोग उसकी उपस्थिति का अंदाजा लगा लेते हैं।

बरगद,पीपल और अंजीर के फल हैं पसंदीदा भोजन

ब्राउन-हेडेड बार्बेट मुख्य रूप से फलभक्षी पक्षी है,बरगद,पीपल,अंजीर और जामुन जैसे पेड़ों के पके फल इसके पसंदीदा भोजन में शामिल हैं,इसी कारण फलदार पेड़ों पर इसकी मौजूदगी अक्सर देखी जा सकती है,पेड़ों के फल खाने के साथ यह प्राकृतिक वातावरण में बीजों के प्रसार की प्रक्रिया में भी योगदान देता है। पेड़ों के तनों में बनाता है अपना घोंसला-इस पक्षी की एक और खास विशेषता घोंसला बनाने का तरीका है,यह अपनी मजबूत चोंच की सहायता से पेड़ों के सूखे या अपेक्षाकृत नरम तनों में गोलाकार कोटर बनाता है,इसी कोटर में यह अपना घोंसला तैयार करता है और प्रजनन करता है,पेड़ों पर निर्भर इसकी जीवनशैली इसे वृक्षों से जुड़े पारिस्थितिक तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाती है।



सोनहत की हरियाली में छिपी है प्रकृति की खूबसूरती

सोनहत क्षेत्र में घर के समीप बरगद के पेड़ पर इस पक्षी का दिखाई देना स्थानीय जैव-विविधता की खूबसूरत झलक प्रस्तुत करता है, क्षेत्र के जंगल,फलदार पेड़ और प्राकृतिक वनस्पतियां अनेक पक्षियों एवं वन्यजीवों के लिए अनुकूल आवास उपलब्ध कराती हैं,पत्रकार राजन पांडे द्वारा मोबाइल कैमरे में कैद की गई यह तस्वीर केवल एक पक्षी का दृश्य नहीं,बल्कि आसपास मौजूद प्रकृति की अनमोल विविधता की याद भी दिलाती है, जरूरत है कि ऐसे पेड़ों और प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखा जाए,ताकि सोनहत की हरियाली में पक्षियों की चहचहाहट और प्रकृति की यह खूबसूरती आने वाली पीढ़ियों तक बनी रहे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)